आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 111 | उज्जैन, गुरूवार 13 मार्च 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

सिंहस्थ - 2028 के लिए अभी से करें माइक्रो प्लानिंग-मुख्यमंत्री

श्री महाकाल लोक में श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या के हिसाब से करें सिंहस्थ की तैयारी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सिंहस्थ - 2028 मध्यप्रदेश का अत्यंत महत्वपूर्ण धार्मिक आयोजन है। लाखों-करोड़ों श्रद्धालु सिंहस्थ के दौरान उज्जैन आएंगे। किसी भी श्रद्धालु को स्नान व देव दर्शन में कोई कठिनाई हो, इसके लिए व्यापक प्रबंध किए जाएं। पुराने सिंहस्थ आयोजन से सीख लें और आगामी सिंहस्थ के सुव्यवस्थित आयोजन के लिए अभी से माइक्रो प्लानिंग कर व्यवस्थाओं को अंजाम देना प्रारंभ करें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में पूर्व में सम्पन्न हुए सिंहस्थ में प्राप्त अनुभवों को केन्द्र में रखते हुए सिंहस्थ - 2028 के योजनाबद्ध आयोजन के संबंध में

बैठक की अध्यक्षता कर संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सबसे बेहतर यह होगा कि सिंहस्थ की व्यवस्थाओं और प्रबंधन से जुड़े सभी कार्य जून 2027 के पहले ही पूरे कर लिए जाएं। इससे रह गई कमोबेशी को दुरुस्त करने या व्यवस्थाओं को और भी अधिक बेहतर करने का समय भी मिल सकेगा।

बैठक में नगरीय विकास एवं आवास तथा संसदीय कार्य मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, संस्कृति एवं पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, मुख्यमंत्री कार्यालय में अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, अपर मुख्य सचिव गृह श्री जे.एन. कंसोटिया, अपर मुख्य सचिव नगरीय?विकास एवं आवास श्री संजय कुमार शुक्ल, पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाना, सिंहस्थ की व्यवस्थाओं से जुड़े अन्य विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव सहित सचिव एवं आयुक्त जनसम्पर्क डॉ. सुदाम खाड़े व अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सिंहस्थ - 2028 की व्यवस्थाओं एवं प्रबंधन के लिए मंजूर किए गए सभी कार्य जून 2027 तक पूरे कर लिए जाएं। चल रहे कार्यों की मासिक प्रोग्रेस रिपोर्ट की समीक्षा की जाए।

भारत-कतर ने आर्थिक समझौतों पर किए हस्ताक्षर, इन क्षेत्रों में करेंगे एकसाथ काम

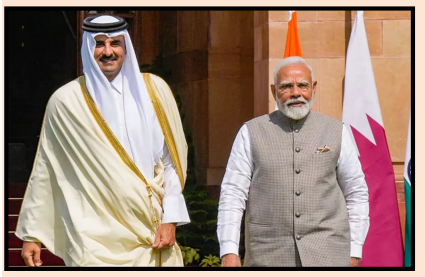

नई दिल्ली (एजेंसी)। वित्त मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि भारत और कतर ने सार्वजनिक-निजी भागीदारी की रूपरेखा एवं निवेश, वित्तपोषण साधनों के उपयोग के साथ आर्थिक नीतियों में आपसी सहयोग के प्रोत्साहन एवं विकास के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।

भारत यात्रा के दौरान हस्ताक्षर किए गए- वित्तीय और आर्थिक सहयोग के इस समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर दोनों देशों के बीच 18 फरवरी को कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल-थानी की भारत यात्रा के दौरान हस्ताक्षर किए गए थे।

मंत्रालय ने कहा, एमओयू का उद्देश्य आर्थिक नीतियों, वित्तपोषण साधनों के उपयोग, सार्वजनिक-निजी भागीदारी के प्रारूप एवं निवेश के क्षेत्रों में आपसी सहयोग को बढ़ावा देना और विकसित करना है।

एमओयू से दोनों देशों में निवेश के लिए नए अवसरों की उम्मीद- इस एमओयू से दोनों देशों में निवेश के लिए नए एवं उभरते क्षेत्रों और अवसरों की तलाश होने की उम्मीद है। दोनों देशों के वित्त मंत्रालय आपस में संयुक्त सहयोग कॉ माडल और क्षेत्रों को बढ़ावा देंगे।

मेरा बेटा आतंकवादी नहीं था, जार्डन में मारे गए केरल के व्यक्ति के पिता ने सरकार से जांच की मांग की

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजराइल में प्रवेश की कोशिश करते समय कथित रूप से जार्डन के सशस्त्र बलों की गोली का शिकार हुए थामस गेब्रियल परेरा को मंगलवार को तिरुअनंतपुरम के थुंबा में एक गिरजाघर के कब्रिस्तान में दफना दिया गया। परेरा का शव मंगलवार सुबह तिरुअनंतपुरम लाया गया था।

पिता ने न्याय की मांग की- इस बीच मृतक के पिता ने न्याय की मांग करते हुए कहा कि मेरा बेटा आतंकवादी नहीं बल्कि भारतीय नागरिक था। जब वह यहां से रवाना हुआ तो अपने साथ वीजा समेत सभी जरूरी दस्तावेज लेकर गया था। वह अकेला नहीं था, उसके साथ उसका साला भी था। बाद में ही हमें पता चला कि उसकी हत्या कर दी गई है।

परेरा के परिवार ने कहा कि मृतक के पास वैध वीजा और वापसी का टिकट था। उन्होंने मामले की सरकार से विस्तृत जांच की मांग की है। मृतक के पिता गेब्रियल परेरा ने विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष वीडी सतीशन को एक ज्ञापन भी सौंपा, जिसमें गहन जांच के लिए उनके हस्तक्षेप का अनुरोध किया गया।

वायुसेना को मिलेंगे नए लड़ाकू विमान, टेंडर में अमेरिकी एफ-15 भी हो सकता है शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना अपनी ताकत बढ़ाने के लिए 114 नए मध्यम श्रेणी के लड़ाकू विमान खरीदने की तैयारी कर रही है। वायुसेना अगले चार से पांच वर्षों में वैश्विक टेंडर के माध्यम से इन विमानों को अपने बेड़े में शामिल करना चाहती है। इस प्रतिस्पर्धा में बोइंग, लाकहीड मार्टिन, दासौ और साब समेत कई बड़ी कंपनियां शामिल हो सकती हैं।

हल्के लड़ाकू विमान भी वायुसेना में शामिल किए जाएंगे- वैश्विक निविदा का हिस्सा बनने वाले विमानों में राफेल, ग्रिपेन, यूरोफाइटर टाइफून, मिग-31 और अमेरिकी एफ-16, एफ 15 विमान शामिल हैं। इनमें से एफ 15 को छोड़कर अन्य लड़ाकू विमान पहले ही 126 बहुउद्देशीय लड़ाकू विमानों के लिए पिछली निविदा में भाग ले चुके हैं और उनका मूल्यांकन भी हो चुका है। इस बार दौड़ में शामिल होने वाला एकमात्र नया विमान अमेरिकी कंपनी बोइंग का एफ-15 स्ट्राइक ईगल लड़ाकू विमान है।

रक्षा सूत्रों ने बताया कि 114 बहुउद्देशीय लड़ाकू विमानों को शामिल करने से वायुसेना को अगले 10 वर्षों में अपने स्क्वाड्रन की ताकत बनाए रखने में मदद मिलेगी। इसके साथ ही मार्क 1 ए और मार्क-2 सहित हल्के लड़ाकू विमान भी वायुसेना में शामिल किए जाएंगे।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को सौंपी गई रिपोर्ट- रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की अध्यक्षता वाली उच्च स्तरीय समिति ने हाल ही में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को अपनी रिपोर्ट सौंपी और वायुसेना को अपनी लड़ाकू क्षमताओं को बढ़ाने में मदद करने के लिए 114 बहुउद्देशीय लड़ाकू विमान प्राप्त करने की जरूरत जताई।

ट्रंप ने एल्यूमीनियम पर लगाया 25% टैरिफ, कनाडा को दिया दोगुना झटका

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में सभी देशों से आने वाले स्टील और एल्युमीनियम पर 12 मार्च से 25 प्रतिशत का शुल्क लगेगा। यह घोषणा अमेरिका पहले ही कर चुका है। इस शुल्क बढ़ोतरी से भारत के स्टील व एल्युमीनियम निर्यात पर कोई खास अंतर नहीं पड़ेगा। इन दोनों वस्तुओं का भारत अमेरिका में 1.5 अरब डॉलर से भी कम का निर्यात करता है। इस बात की जरूर आशंका जाहिर की जा रही है कि अमेरिका की इस शुल्क बढ़ोतरी नीति से चीन व अन्य देश भारत में स्टील उत्पाद बड़ी मात्रा में भेज सकते हैं। इससे हमारे घरेलू उद्योग के प्रभावित होने की आशंका है।

इन देशों से भारत में आयात होता है स्टील- चीन के अलावा भारत में वियतनाम, दक्षिण कोरिया, जापान और सिंगापुर जैसे देशों से स्टील के विभिन्न उत्पादों का आयात होता है। भारत को ये देश बड़े बाजार के रूप में देख रहे हैं। सरकार कई स्टील उत्पादों पर 15 प्रतिशत एंटी डंपिग ड्यूटी लगाने पर गंभीरता से विचार कर रही है। स्टेनलेस स्टील, सीमलेस ट्यूब और पाइप चीन से आते हैं और इन पर एंटी डंपिंग ड्यूटी लगाई जा सकती है।

भारत में सालाना 14.5 करोड़ टन स्टील का उत्पादन- स्टील मंत्रालय के मुताबिक भारत सालाना 14.5 करोड़ टन स्टील का उत्पादन करता है। इनमें से सिर्फ 95,000 टन स्टील का निर्यात अमेरिका किया जाता है।

इसलिए स्टील व एल्युमीनियम पर अमेरिका की शुल्क नीति से कोई फर्क नहीं पड़ेगा।

पानी के लिए क्यों तरसते हैं दिल्लीवासी? सामने आई वजह, जानकर रह जाएंगे दंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। गर्मी शुरू होते ही दिल्ली में पेयजल आपूर्ति की समस्या शुरू हो जाती है। वर्षों से यह समस्या है। इसके समाधान के लिए ठोस कदम उठाने की जगह राजनीति अधिक होती रही है। हरियाणा और केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार है।

दिल्ली में पहले आम आदमी पार्टी की सरकार थी। इस कारण पानी की समस्या के लिए एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहराया जा रहा था। यदि राजनीति से ऊपर उठकर समस्या के समाधान के लिए कदम उठाया जाता तो दिल्ली में जल संकट नहीं होता।

म्यांमार में फंसे 283 लोगों की वतन वापसी, फर्जी नौकरी के जाल में फंसे थे भारतीय नागरिक

नई दिल्ली (एजेंसी)। म्यांमार में फर्जी नौकरी के जाल में फंसे 283 भारतीय नागरिकों को सुरक्षित रूप से देश वापस लाया गया है। भारतीय दूतावासों ने म्यांमार और थाईलैंड के स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर इन नागरिकों की वापसी सुनिश्चित की।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि सोमवार को भारतीय वायु सेना के विमान द्वारा थाईलैंड के माए साट से इनकी वापसी कराई गई। मंत्रालय ने कहा कि भारत लगातार प्रयासरत है कि वह म्यांमार सहित दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों में फर्जी नौकरी के झांसे में फंसे अपने नागरिकों की सुरक्षित वापसी कराए।

नौकरी की लालच में फंसे थे भारतीय- इन व्यक्तियों को साइबर अपराध में लिप्त होने और म्यांमार-थाईलैंड सीमा के आसपास के क्षेत्रों में संचालित धोखाधड़ी की गतिविधियों में शामिल होने के लिए मजबूर किया गया। विदेश मंत्रालय के अनुसार, इन नागरिकों को डिजिटल सेल्स और मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव जैसे आकर्षक पदों के लिए नौकरी का लालच दिया गया था।

हालांकि, ये आफर फर्जी साबित हुए और पीड़ितों को अवैध रूप से सीमा पार कर म्यांमार ले जाया गया, जहां उन्हें कठिन परिस्थितियों में काम करने के लिए मजबूर किया गया। मंत्रालय ने बताया कि ऐसे फर्जी नौकरी रैकेट इंटरनेट मीडिया और अन्य स्त्रोतों के जरिए सक्रिय हैं, जो युवाओं को अपने जाल में फंसाते हैं।

मंत्रालय ने की लोगों से ये अपील

मंत्रालय ने अपने बयान में कहा कि हमारे म्यांमार और बैंकाक में स्थित भारतीय मिशनों को हाल ही में थाइलैंड और म्यांमार में काल सेंटर घोटालों और क्रिप्टोकरेंसी धोखाधड़ी से जुड़े फर्जी नौकरी आफरों की जानकारी मिली है।

मंत्रालय ने नागरिकों से अपील की है कि वे ऐसे लुभावने प्रस्तावों से सावधान रहें और किसी भी नौकरी को स्वीकार करने से पहले उसकी पूरी जांच-पड़ताल करें। इससे पहले दिसंबर में भी भारतीय दूतावास ने म्यांमार के म्यावाडी में नौकरी घोटाले के परिसर में फंसे छह भारतीय नागरिकों को रिहा करने की घोषणा की थी।

नासा की नई दूरबीन से खुलेंगे ब्रह्मांड के अनसुलझे राज

नई दिल्ली (एजेंसी)। नासा की नई अंतरिक्ष दूरबीन मंगलवार को पूरे आकाश का नक्शा बनाने के लिए कक्षा में पहुंच गई। इससे पहले ऐसा पहले कभी नहीं हुआ था। स्पेसएक्स ने कैलिफोर्निया से स्फीरेक्स वेधशाला को लॉन्च किया, जो पृथ्वी के ध्रुवों के ऊपर से उड़ान भरने के लिए तैयार थी। सूर्य का अध्ययन करने के लिए सूटकेस के आकार के चार उपग्रह भी साथ में थे।

बर्फीले बादल, पानी और जीवन के अन्य तत्वों की होगी तलाश- 488 मिलियन डॉलर के स्फीरेक्स मिशन का उद्देश्य यह पता करना है कि अरबों वर्षों में आकाशगंगाएं कैसे बनीं और विकसित हुईं और कैसे ब्रह्मांड अपने शुरुआती क्षणों में इतनी तेज़ी से फैल गया। हमारे अपने मिल्की वे आकाशगंगा के नज़दीक, स्फीरेक्स सितारों के बीच बर्फीले बादलों में पानी और जीवन के अन्य तत्वों की तलाश करेगा जहां नए सौर मंडल उभर रहे हैं।

शंकु के आकार का स्फीरेक्स - 1,110 पाउंड (500 किलोग्राम) या एक भव्य पियानो जितना भारी - अपनी अवरक्त आँखों और व्यापक दृश्य क्षेत्र के साथ पूरे आकाश का नक्शा बनाने में छह महीने का समय लेगा। दो वर्षों में चार पूर्ण-आकाश सर्वेक्षणों की योजना बनाई गई है, क्योंकि दूरबीन 400 मील (650 किलोमीटर) ऊपर ध्रुव से ध्रुव तक दुनिया का चक्कर लगाती है।

कैसे काम करेगा स्फीरेक्स?

स्फीरेक्स नासा के बड़े और अधिक विस्तृत हबल और वेब स्पेस टेलीस्कोप की तरह आकाशगंगाओं को उनके संकीर्ण दृश्य क्षेत्र के साथ विस्तृत रूप से नहीं देख पाएगा। आकाशगंगाओं की गिनती करने या उन पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय, स्फीरेक्स पूरे समूह द्वारा उत्पादित कुल चमक का निरीक्षण करेगा, जिसमें ब्रह्मांड बनाने वाले बिग बैंग के बाद बनी सबसे शुरुआती आकाशगंगाएं भी शामिल हैं।

कैलिफोर्निया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के मिशन के मुख्य वैज्ञानिक जेमी बॉक ने कहा, यह ब्रह्मांडीय चमक ब्रह्मांडीय इतिहास में उत्सर्जित सभी प्रकाश को कैप्चर करती है। यह ब्रह्मांड को देखने का एक बहुत ही अलग तरीका है, जिससे वैज्ञानिकों को यह देखने में मदद मिलती है कि अतीत में प्रकाश के कौन से स्रोत छूट गए होंगे।

ब्रह्मांड की शुरुआत के बारे में पता चलेगा- बॉक ने कहा कि सामूहिक चमक को देखकर, वैज्ञानिक सबसे शुरुआती आकाशगंगाओं से प्रकाश को बाहर निकालने और यह जानने की उम्मीद करते हैं कि वे कैसे बनीं। हम बिग बैंग को नहीं देख पाएंगे।

ट्रंप ने बढ़ाई टेंशन, ग्रीन कार्ड धारकों को निर्वासन की चेतावनी; क्या अमेरिका में भारतीयों की बढ़ेगी चिंता?

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोमवार को डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए चेतावनी दी है कि जो लोग राज्य के खिलाफ शत्रुतापूर्ण गतिविधियों में शामिल हैं, उनके वीजा और ग्रीन कार्ड रद्द किए जा सकते हैं।

यह घोषणा तब हुई जब कोलंबिया विश्वविद्यालय के स्नातक महमूद खलील को इजरायल विरोधी प्रदर्शनों में उनकी भूमिका के लिए हिरासत में लिया गया।

व्हाइट हाउस ने राष्ट्रपति ट्रंप की ओर से बयान साझा कर बताया, खलील की गिरफ्तारी

कई और गिरफ्तारियों में से पहली है। हम जानते हैं कि कोलंबिया और देशभर के अन्य विश्वविद्यालयों में ऐसे कई छात्र हैं जो आतंकवाद समर्थक, यहूदी विरोधी, अमेरिकी विरोधी गतिविधियों में शामिल हैं। ट्रंप प्रशासन इसे बर्दाश्त नहीं करेगा।

क्या भारतीय ग्रीन कार्ड धारक खतरे में हैं- अमेरिकी नागरिकता और आव्रजन सेवा के आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2024 में अमेरिकी नागरिकता या ग्रीन कार्ड प्राप्त करने वाले भारतीय दूसरे सबसे बड़े समूह हैं, जिनमें से 49,700 भारतीयों को प्राकृतिक नागरिकता दी गई है।

हालांकि, ट्रंप द्वारा ग्रीन कार्ड रद करने की चेतावनी अमेरिकी धरती पर आतंकवादी गतिविधियों में शामिल हमास समर्थकों पर अमेरिका की कार्रवाई से संबंधित है और यह नागरिकता और आव्रजन नीतियों को जरूरी रूप से प्रभावित नहीं करती है।

किस आधार पर ग्रीन कार्ड धारकों को किया जा सकता है निर्वासित- ग्रीन कार्ड धारक को आव्रजन और राष्ट्रीयता अधिनियम में निर्वासन के आधारों में से एक के तहत निर्वासित किया जा सकता है।

अमेरिका में भारतीयों के साथ हो रहा खेल, फर्जी कॉल से की जा रही ठगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। संयुक्त राज्य अमेरिका में भारतीय दूतावास ने वहां रहने वाले भारतीयों के लिए एक परामर्श जारी कर फर्जी कॉल्स से सावधान रहने की अपील की है। दूतावास ने भारतीय नागरिकों और वीजा आवेदकों के लिए चेतावनी जारी की है कि ठग फर्जी कॉल करके उनको ठगने की कोशिश में लगे हुए हैं।

भारतीय दूतावास ने कहा है कि कुछ जालसाज दूतावास की टेलीफोन लाइनों रो स्पूफिंग कर लोगों को धोखा देने की कोशिश कर रहे हैं। धोखेबाज फर्जी कॉल करके लोगों को पहले डराने का प्रयास करते हैं और फिर ठगी की वारदात को अंजाम देते हैं।

ठग ये दावा करते हैं कि उनके पासपोर्ट, वीजा फॉर्म या अन्य दस्तावेजों में गलतियां मिली है और इन गलतियों को सुधारने के लिए उन्हें पैसे देने होंगे। इसके साथ ही धोखेबाज कुछ मामलों में धमकी भी देते हैं कि गलती सुधारने में असफल रहने पर उन्हें वापस भारत भेज दिया जाएगा या जेल की सजा हो सकती है। भारतीय दूतावास ने लोगों के लिए परामर्श जारी करते हुए कहा है कि वे किसी भी भारतीय या विदेशी नागरिक से फोन पर व्यक्तिगत जानकारी नहीं मांगते हैं।

लगातार फायरिंग, बम ब्लास्ट.. जान बचाने को सीटों के नीचे छिपे, जाफर एक्सप्रेस के यात्रियों की खौफनाक आपबीती

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के बलूचिस्तान में ट्रेन हाईजैक होने के बाद से बवाल मच गया है। इस हादसे में पाकिस्तानी सेना ने लगभग 155 बंधकों को छुड़ा लिया है और 27 से ज्यादा लड़ाके मार गिराए हैं। अब दक्षिण-पश्चिमी पाकिस्तान में ट्रेन हाईजैक के बाद रिहा हुए बंधकों ने अपनी आंखों देखी कहानी सुनाई है।

बंधकों ने मंगलवार को बताया कि वे अपने बिछड़े हुए रिश्तेदारों को छोड़कर दुर्गम पहाड़ी इलाकों से होकर भागने के लिए घंटों पैदल चले थे।

ट्रेन में सफर कर रहे मुहम्मद बिलाल ने बताया, मैं यह बताने के लिए शब्द नहीं बयां कर पा रहा हूं कि हम कैसे बच निकले। यह भयानक था। बिलाल अपनी मां के साथ जाफर एक्सप्रेस में सवार थे, जब ट्रेन में विस्फोटकों से हमला हुआ।

माच रेलवे स्टेशन पर एक यात्री अल्लाहदित्ता ने बताया, %जब आतंकवादी ट्रेन पर धावा बोल रहे थे, तो मैंने विस्फोट और उसके बाद गोलियों की आवाज सुनी। माच रेलवे स्टेशन को घायलों के इलाज के लिए अस्थायी अस्पताल में तब्दील कर दिया गया है।

बिस्तर पर बुलाया, जुकरबर्ग का चाइना प्रेम... META की पूर्व महिला कर्मचारी के चौंकाने वाले दावे

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोशल मीडिया दिग्गज कंपनी Meta को लेकर एक नया विवाद शुरू हो गया है। मेटा की एक पूर्व कार्यकारी अधिकारी से मुखबिर बनीं सारा विंन विलियम्स की किताब Careless People: A Cautionary Tale of Power, Greed, and Lost Idealism' में CEO मार्क जुकरबर्ग और पूर्व COO शेरिल सैंडबर्ग के कार्यकाल को लेकर कई गंभीर आरोप लगाए गए हैं।

इन आरोपों में यौन उत्पीड़न के दावे, अनुचित व्यवहार,दोहरे मापदंड और चीन सरकार से मिलीभगत तक की बातें शामिल हैं। विलियम्स, जिन्हें 2017 में मेटा से निकाल दिया गया था ने दावा किया कि जुकरबर्ग और सैंडबर्ग के तहत, फेसबुक की संस्कृति खराब हो गई।

दोनों अधिकारियों ने महिलाओं के प्रति द्वेष और दोहरे मानदंडों के चौंकाने वाले खातों पर आंखें मूंद लीं।

हालांकि, मेटा ने सभी दावों का खंडन किया है, उन्हें एक कार्यकर्ता द्वारा झूठे आरोप करार दिया है। उन्होंने खारिज करते हुए, इसे एक्टिविस्ट की झूठी शिकायतें बताया है।

चीन के साथ मिलीभगत कर रहे जुकरबर्ग- विलियम्स ने दावा किया कि मार्क जुकरबर्ग चीन सरकार के साथ मिलीभगत कर रहे थे और उन्होंने चीनी अधिकारियों के साथ यूजर्स का डेटा शेयर करने पर विचार किया था। रिपोर्ट के अनुसार, फेसबुक चीन के बाजार में प्रवेश के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार था।

जुकरबर्ग की निजी आदतों को लेकर खुलासे- किताब के अनुसार, जुकरबर्ग इस हद तक चले गए कि उन्होंने वायरल पोस्ट्स को तब तक छिपाने का प्रस्ताव रखा, जब तक कि चीनी अधिकारी उन्हें मंजूरी नहीं देते। हालांकि, Meta ने इस आरोप पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह कोई रहस्य नहीं है कि कंपनी ने एक समय चीन में अपनी सेवाएं शुरू करने की योजना बनाई थी।

जिन्ना के विश्वासघात से बना BLA! बलूचिस्तान के लोग पाकिस्तान को क्यों मानते हैं अपना दुश्मन, ट्रेन हाईजैक के पीछे क्या है वजह?

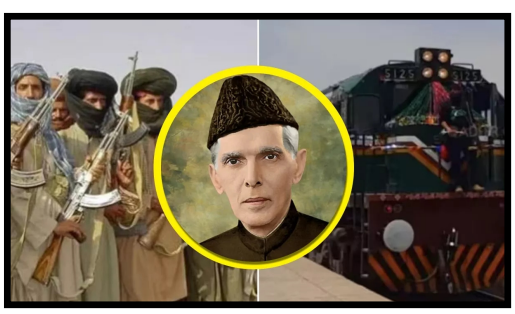

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के चार प्रांतों में बलूचिस्तान सबसे बड़ा प्रांत हैं लेकिन यहां कि आबादी सबसे कम है। बलूचिस्तान ने शायद ही कभी शांति देखी होगी और इतने सालों के बाद भी यहां पर विकास का कार्य नहीं हो पाया है। बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी के आतंकवादियों ने 11 मार्च को पाकिस्तान की एक ट्रेन को हाईजैक कर लिया।

अब सवाल ये उठता है कि आखिर क्यों बीएलए के विद्रोहियों ने ट्रेन को हाईजैक कर सुरक्षाकर्मी सहित 100 लोगों को बंधक बना लिया और उनके विद्रोह की मुख्य वजह क्या है? इस विद्रोह का कारण पाकिस्तान के संस्थापक मोहम्मद अली जिन्ना द्वारा बलूच के लोगों के साथ किए गए विश्वासघात को माना जाता है।

कब-कब बलूच के लोगों ने किया विद्रोह- 1948 से ही बलूच राष्ट्रवादी पाकिस्तानी राज्य के खिलाफ हथियार उठाते रहे हैं।

बलूचिस्तान ने 1958-59, 1962-63 और 1973-77 में हिंसक स्वतंत्रता आंदोलन के दौर देखे हैं।

सबसे ताजा आंदोलन का दौर 2003 से चल रहा है।

11 मार्च 2025 को BLA के उग्रवादियों ने क्वेटा-पेशावर जाफर एक्सप्रेस को रोक लिया और सैकड़ों यात्रियों को बंधक बना लिया।

बुधवार 12 मार्च को दूसरे दिन बलूच विद्रोहियों ने अभी भी 100 से अधिक लोगों को बंधक बना रखा है।

सुनीता विलियम्स को कब और कैसे धरती पर लाएगा NASA

नई दिल्ली (एजेंसी)। नासा के अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर अंतरिक्ष में लंबे समय तक रहने के बाद आखिरकार पृथ्वी पर लौटने की तैयारी कर रहे हैं। उनका मिशन सिर्फ दस दिनों तक चलने वाला था, लेकिन बोइंग के स्टारलाइनर अंतरिक्ष यान में तकनीकी समस्याओं के कारण उनका मिशन लगभग दस महीने तक खिंच गया।

अब, वे स्पेसएक्स के क्रू ड्रैगन कैप्सूल में सवार होकर वापस यात्रा करेंगे, और बताया जा रहा है वो अगले हफ्ते तक धरती पर वापसी कर सकते हैं।

क्रू-10 मिशन और ट्रांजिशन प्लान- क्रू-10 मिशन जिसमें नासा के अंतरिक्ष यात्री ऐनी मैकक्लेन और निकोल एयर्स, JAXA अंतरिक्ष यात्री ताकुया ओनिशी और रोस्कोस्मोस कॉस्मोनॉट किरिल पेसकोव शामिल हैं।

नासा का क्रू-10 मिशन 13 मार्च को सुबह 5:18 बजे IST पर लॉन्च होने के लिए तैयार है। यह टीम क्रू-9 को राहत देगी, जिससे विलियम्स और विल्मोर वापस लौट सकेंगे।

एक बार जब क्रू-10 आ जाता है और प्रोसेस शुरू हो जाता है, जिसमें एक हफ्ते तक का समय लग सकता है तो विलियम्स और विल्मोर क्रू ड्रैगन फ्रीडम अंतरिक्ष यान में सवार हो जाएंगे।

ISS से उनका प्रस्थान अस्थायी रूप से 16 मार्च को शाम 6:30 बजे IST पर निर्धारित किया गया है, लेकिन मौसम की स्थिति के आधार पर समय में थोड़ा बदलाव हो सकता है।

धरती की ग्रैविटी बन सकती चैलेंज- माइक्रोग्रैविटी में लगभग दस महीने बिताने से उनके शरीर पर बहुत बुरा असर पड़ा है। नासा के पूर्व अंतरिक्ष यात्री लेरॉय चियाओ ने बताया कि अंतरिक्ष यात्री वापस लौटने पर बच्चों के पैरों जैसा अनुभव करते हैं, क्योंकि स्पेस में पैरों के कॉलस खत्म हो जाते हैं।

पॉलीथीन, शॉल, तौलिए से लेकर डायपर तक... विमान के शौचालय में मिल चुकी हैं ये चीजें, एयर इंडिया में चल क्या रहा है?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका से भारत आ रही एयर इंडिया की फ्लाइट का टॉयलेट ब्लॉक हो जाने के कारण विमान को वापस लौटना पड़ा था।

प्लेन में कुल 12 टॉयलेट थे, जिनमें से 11 ब्लॉक हो गए थे। रिपोर्ट के मुताबिक, टॉयलेट ब्लॉक होने के कारण फ्लाइट नंबर AI126 को चार घंटे उड़ने के बाद यू-टर्न लेना पड़ा था।

एयरलाइन ने बताई हैरान करने वाली बात- मामले को लेकर एयर इंडिया की तरफ से सफाई पेश की गई थी। पहले तो एयरलाइन ने इसे तकनीकी कारणों का हवाला देकर विमान लौटने की जानकारी दी थी। लेकिन जब टॉयलेट ब्लॉक होने पर एयरलाइन की फजीहत होने लगी तो कंपनी ने ऐसी बातें बताई जिसने सभी को हैरान कर दिया।

एयर इंडिया ने बताया कि विमान के शौचालय में पॉलीथीन और कपड़े बहा दिए गए थे, जिस वजह से पाइपलाइन जाम हो गई थी और टॉयलेट इस्तेमाल करने लायक नहीं रह गया था। एयर इंडिया के मुताबिक, विमान में कुल 12 शौचालय थे, जिनमें से 8 बंद हो गए थे।

ECI ने सभी राजनीतिक दलों को लिखा लेटर, बातचीत के लिए किया आमंत्रित

नई दिल्ली (एजेंसी)। मतदाता सूची में हेराफेरी के आरोपों के बीच चुनाव आयोग ने इस मामले को सुलझाने की मंगलवार को पहल की। चुनावी प्रक्रिया मजबूत करने के लिए आयोग ने राजनीतिक दलों को बातचीत के लिए आमंत्रित किया। चुनाव आयोग ने सभी राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों से चुनावी पंजीकरण अधिकारियों, जिला निर्वाचन अधिकारियों और मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के स्तर पर किसी भी अनसुलझे मुद्दे को लेकर 30 अप्रैल तक सुझाव आमंत्रित किए हैं।

चुनाव आयोग ने राजनीतिक दलों को लिखा पत्र- आयोग ने मंगलवार को राजनीतिक दलों को अलग-अलग लिखे पत्र में पार्टी अध्यक्षों और वरिष्ठ सदस्यों के साथ परस्पर सुविधाजनक समय पर बातचीत करने का सुझाव दिया है ताकि स्थापित कानून के अनुसार चुनावी प्रक्रियाओं को और मजबूत किया जा सके।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने पिछले सप्ताह आयोग के एक सम्मेलन में सभी राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों, जिला निर्वाचन अधिकारियों और निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश दिया था कि वे राजनीतिक दलों के साथ नियमित रूप से संवाद करें।

DMK ने लगाया गुमराह करने का आरोप तो धर्मेंद्र प्रधान ने साझा किया पत्र, सीएम स्टालिन को लिया आड़े हाथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु स्कूलों में हिंदी भाषा पढ़ाने का विरोध कर रहा है। इस बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने तमिलनाडु स्कूल शिक्षा विभाग का एक पत्र साझा किया है। यह पत्र 15 मार्च 2024 का है। इसमें कहा गया कि राज्य पीएम श्री स्कूल स्थापित करने के लिए बेहद उत्सुक है।

इससे पहले डीएमके सांसद कनिमोझी ने कहा था कि शिक्षा मंत्री का दावा तथ्यात्मक रूप से गलत है। यह सदन को गुमराह करने वाला है। इसके बाद शिक्षा मंत्री ने यह पत्र साझा किया।

सहमति पत्र किया साझा- शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने लिखा कि कल डीएमके सांसदों और सीएम स्टालिन ने मुझ पर पीएम श्री स्कूलों की स्थापना पर तमिलनाडु की सहमति के बारे में संसद को गुमराह करने का आरोप लगाया था। मैं अपने बयान पर कायम हूं। 15 मार्च 2024 को तमिलनाडु स्कूल शिक्षा विभाग का सहमति पत्र साझा कर रहा हूं।

जनता को जवाब देना होगा- शिक्षा मंत्री ने आगे कहा कि डीएमके सांसद और माननीय सीएम जितना चाहें झूठ का अंबार लगा लें। मगर सीएम स्टालिन के नेतृत्व वाली डीएमके सरकार को तमिलनाडु के लोगों को बहुत कुछ जवाब देना होगा। भाषा के मुद्दे को ध्यान भटकाने की रणनीति के रूप में उठाना और अपनी सुविधा के मुताबिक तथ्यों को नकारना उनके शासन और कल्याण घाटे को नहीं बचा पाएगा।

आंतरिक सुरक्षा को मजबूत करने के लिए किए जा रहे नए उपाय, लोकसभा में बोले नित्यानंद राय

नई दिल्ली (एजेंसी)। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने लोकसभा में कहा कि सरकार ने पूरे भारत में राष्ट्रीय सुरक्षा, कानून प्रवर्तन और शासन को मजबूत करने के लिए रणनीति बनाई है।

सीमा सुरक्षा को बढ़ाया जा रहा- चालू वित्त वर्ष में आंतरिक सुरक्षा को मजबूत करने के लिए बजट में प्रस्तावित नए उपायों में अन्य बातों के साथ-साथ, आतंकी नेटवर्क को खत्म करके जम्मू और कश्मीर को आतंक मुक्त बनाने, घुसपैठ को रोकने और आतंकी वित्तपोषण को खत्म करने के उपाय शामिल हैं। ड्रोन, निगरानी प्रणाली और कमजोर सीमाओं पर बाड़ लगाने जैसे तकनीकी उन्नयन के माध्यम से सीमा सुरक्षा को बढ़ाया जा रहा है।

पुलिस के आधुनिकीकरण के लिए एक योजना को दी गई मंजूरी- उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने 2021-22 से 2025-26 तक की अवधि के दौरान पांच वर्षों के लिए 4846 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ पुलिस के आधुनिकीकरण के लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को सहायता (एएसयूएमपी) की एक योजना को मंजूरी दी है। इस योजना का फोकस सभी राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों में पुलिस स्टेशनों के निर्माण के साथ-साथ पुलिस स्टेशनों को आवश्यक आधुनिक तकनीक, हथियार, संचार उपकरण आदि से लैस करके अत्याधुनिक स्तर पर पुलिस बुनियादी ढांचे को मजबूत करना है।

भारत-बांग्लादेश सीमा पर तस्करी पर कही ये बात

एक अन्य प्रश्न के जवाब में नित्यानंद राय ने कहा कि सीमा सुरक्षा बल ने 2024 में भारत-बांग्लादेश सीमा पर तस्करी के प्रयासों को विफल करते हुए 461.07 करोड़ रुपये मूल्य की प्रतिबंधित सामग्री जब्त की है, जो पिछले 10 वर्षों में सबसे अधिक है।

वहीं, एक अन्य प्रश्न के जवाब में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री छात्रवृत्ति योजना (पीएमएसएस) के तहत 2006-07 में इसकी स्थापना के बाद से 2023-24 तक सीएपीएफ और राज्य पुलिस कर्मियों के बच्चों और विधवाओं के लिए कुल 49,189 छात्रवृत्तियां वितरित की गई हैं।

सोने-चांदी की सजावट, इटालियन मार्बल और 500 करोड़ में बना साउथ का शीशमहल, क्यों जांच के घेरे में आया रुशिकोंडा पैलेस?

नई दिल्ली (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश में चंद्रबाबू नायडू से पहले वाईएसआरसीपी पार्टी के मुखिया जगन मोहन रेड्डी की सरकार थी। उस दौरान रुशिकोंडा पहाड़ी पर एक भव्य इमारत बनाया गया था, जिसे जगन रेड्डी का कार्यालय सह निवास स्थान बताया जाता था। अब ये जगह जांच के घेरे में हैं।

यह आलीशान संपत्ति, जिसकी अनुमानित कीमत 500 करोड़ रुपये है, अब पर्यावरण उल्लंघन के आरोपों का सामना कर रही है। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, परिसर के अंदर सोने की सजावट, इटालियन मार्बल के फर्श और आलीशान साज-सज्जा सहित कई भव्य चीजें हैं। यह महल सुरम्य रुशिकोंडा क्षेत्र में 10 एकड़ में फैले चार विशाल ब्लॉकों से बना हुआ है, जो एक प्रमुख तटीय पर्यटन केंद्र है। इस परिसर में व्यापक बुनियादी ढांचा जैसे की पक्की सड़कें, जल निकासी व्यवस्था, थोक जल आपूर्ति और 100 केवी बिजली सब-स्टेशन शामिल हैं।

पर्यावरण उल्लंघन का आरोप

इस भव्य इमारत का निर्माण विवादों में घिरा हुआ है, जिसमें तटीय विनियमन क्षेत्र (सीआरजेड) मानदंडों के घोर उल्लंघन के आरोप हैं। आलोचकों का दावा है कि एस्टेट के निर्माण के लिए सुंदर रुशिकोंडा पहाड़ी के लगभग आधे हिस्से की खुदाई की गई थी, जिससे पर्यावरण संबंधी गंभीर चिंताएं पैदा हुई हैं। आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार, केंद्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्रालय (एमओईएफ) ने 19 मई, 2021 को पर्यटन विकास परियोजना के रूप में मंजूरी दी थी। हालांकि, टीडीपी का आरोप है कि पिछली वाईएसआरसीपी सरकार ने कानूनी दिशा-निर्देशों को दरकिनार करते हुए महल को जगन मोहन रेड्डी के निजी इस्तेमाल के लिए बनाया था।

टीडीपी सरकार ने फिर से इस्तेमाल के विकल्प तलाशे- वर्तमान तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार अब इस आलीशान संपत्ति को फिर से इस्तेमाल करने की चुनौती से जूझ रही है। मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू के प्रशासन ने जगन मोहन रेड्डी पर सार्वजनिक धन के घोर दुरुपयोग का आरोप लगाया है, कुछ अनुमानों के अनुसार कुल खर्च 600 करोड़ रुपये से अधिक हो सकता है।

एक साथ चुनाव कराने पर सुझाव के लिए वेबसाइट शुरू करेगी संसदीय समिति, पारदर्शिता पर हो रहा काम

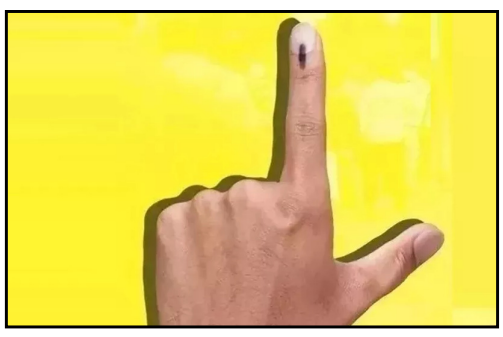

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक देश-एक चुनाव संबंधी विधेयकों पर विचार कर रही संसदीय समिति जल्द ही इस मुद्दे पर देशभर से लोगों के सुझाव आमंत्रित करने के लिए वेबसाइट शुरू करेगी। संविधान (एक सौ उनतीसवां संशोधन) विधेयक, 2024 और केंद्र शासित प्रदेश कानून संशोधन विधेयक, 2024 से संबंधित संयुक्त संसदीय समिति के अध्यक्ष भाजपा नेता पीपी चौधरी ने कहा कि समिति पूरी पारदर्शिता के साथ काम कर रही है।

संयुक्त संसदीय समिति पारदर्शिता पर कर रही काम

समिति यह सुनिश्चित करना चाहती है कि एक साथ चुनाव के मुद्दे पर सभी को अपने विचार साझा करने का अवसर मिले। समिति ने भारत के पूर्व प्रधान न्यायाधीश एवं राज्यसभा सदस्य रंजन गोगोई और दिल्ली हाई कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश राजेंद्र मेनन के विचार भी सुने।

देशभर से ज्ञापन आमंत्रित करने के लिए विज्ञापन भी जारी होगा- चौधरी ने कहा कि समिति के सदस्यों के लिए वेबसाइट का प्रेजेंटेशन भी आयोजित किया गया। समिति एक साथ चुनाव कराने के संबंध में देशभर से ज्ञापन आमंत्रित करने के लिए विज्ञापन भी जारी करेगी। उन्होंने कहा कि 1952 से 1967 तक पूरे देश में एक साथ चुनाव हुए, लेकिन इसके बाद यह क्रम टूट गया।

मतदाता सूची में हेराफेरी के आरोपों के बीच चुनाव आयोग ने इस मामले को सुलझाने की मंगलवार को पहल की। चुनावी प्रक्रिया मजबूत करने के लिए आयोग ने राजनीतिक दलों को बातचीत के लिए आमंत्रित किया। चुनाव आयोग ने सभी राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों से चुनावी पंजीकरण अधिकारियों, जिला निर्वाचन अधिकारियों और मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के स्तर पर किसी भी अनसुलझे मुद्दे को लेकर 30 अप्रैल तक सुझाव आमंत्रित किए हैं।

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in
24x7 News portal

सर्वे भवन्तु सुखिनः

उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित

हिन्दकुश मीडिया

jagrayam.com
online news magazine

hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 शुक्ल चतुर्थदशी

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

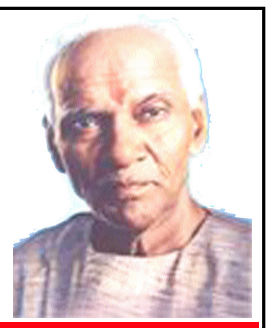

संपादकीय

वैश्विक स्तरपर आज सारी दुनियाँ कहीं ना कहीं भ्रष्टाचार के दंश से अर्थव्यवस्था में कमजोरी महसूस कर रही है

वैश्विक स्तरपर आज सारी दुनियाँ कहीं ना कहीं भ्रष्टाचार के दंश से अर्थव्यवस्था में कमजोरी महसूस कर रही है, क्योंकि यह भ्रष्टाचार रूपी काली कमाई भ्रष्टाचारियों द्वारा बेहद सस्पेंस वाली जगह पर छुपा कर रखा जाता है,जो अर्थव्यवस्था के सरकुलेशन में काम नहीं आती। मसलन 2000 के नोटों की लंबी राशि चलन में नहीं आ रही थी यानी मतलब साफ है भ्रष्टाचार्यों के पास लॉक हो गई थी,नतीजा नोटों की नोटबंदी ही पर्याय था। परंतु बहुत ताजुब की बात है एक ओर जहां सरकार भ्रष्टाचार जीरो टॉलरेंस करने कमर कसकर भिड़ी हुई है दूसरी ओर हमेशा देखा जाता है की राजनीति में सहयोगी पार्टी या पार्टी के अंदर ही पार्टी के कद्दावर नेताओं में मंत्रालय के विभागों की मलाई पर तकरार होती है,यानें सरकारी टेंडर में परसेंटेज के मामले होते हैं,इसीलिए ही 40 या 50 पेर्सेंट के आरोप प्रत्यारोप राजनीति में सभी बातें एक दूसरे के ऊपर लगाते रहते हैं अक्सर चुनाव जीते हुए व्यक्तियों से लेकर मंत्री व चपरासी से लेकर उच्च पदासीन अधिकारी इसमें शामिल होते हैं तो फिर भ्रष्टाचार की जीरो टॉलरेंस नीति का क्या अर्थ हुआ? जो रेखांकित करने वाली बात है, जिसका सटीक उदाहरण महाराष्ट्र के एक नेता पर गृहमंत्री होने के बावजूद 100 करोड़ प्रतिमाह का आरोप लगा था वो जेल भी गए थे। ऐसे अनेक आरोप राजनीतिज्ञों मंत्रियों पर लगते रहते हैं जो रेखा रेखांकित करने वाली बात है, जिससे क्लियर होता है कि भ्रष्टाचार ऊपर से लेकर नीचे की ओर चलता है,इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगेविभागों की मलाई पर तकरार, भ्रष्टाचार पर कैसे होगा पलटवार !तथा भ्रष्ट प्लस अचार एट द रेट ऑफ भ्रष्टाचार, लोक निर्माण सरकारी टेंडर गृह परिवहन मंत्रालयों को आखिर क्यों मलाई वाला विभाग कहा जाता है?

साथियों बात अगर हम भ्रष्टाचार के अर्थ को समझने की करें तो, भ्रष्टाचार शब्द दो शब्दों की संधि से बना है- भ्रष्ट+आचार,जिनके निम्न अर्थ हैं- भ्रष्ट=दूषित, गंदा, अनैतिक,गलत, आपराधिक, आचार=आचरण,व्यवहार ,कार्यकप कार्य,तो सीधे शब्दों में कहें तो भ्रष्टाचार का तात्पर्य उस कार्य से है जो गलत हो, अनैतिक हो, आपराधिक हो या दूषित हो।हमारे राजनेताओं की कृपा से आजकल यह शब्द मुख्यतया राजनैतिक संदर्भ में प्रयोग होता है लेकिन सामान्यतया हर वह आचरण भ्रष्टाचार है जो कि किसी गलत उद्देश्य की प्राप्ति के लिए अनैतिक ढंग से और दुर्भावना से किया जाए।केवल सरकारी कार्यों में घोटाले करना ही भ्रष्टाचार नहीं है, बल्कि अपने आदर्शों से समझौता करना और निजी लाभ के लिए किसी अन्य को पीड़ा पहुंचाना भी भ्रष्टाचार है।दूधवाले का दूध में पानी मिलाना भी भ्रष्टाचार है और शिक्षक का कक्षा में ना पढ़ाना भी भ्रष्टाचार है। अधिकारी का काम ना करना भी भ्रष्टाचार है और काम के बदले रिश्वत मांगना भी भ्रष्टाचार है। टैक्स चोरी करना भी भ्रष्टाचार है और यातायात के नियमों को ना मानना भी भ्रष्टाचार है।सीमित शब्दों में कहें तो भ्रष्टाचार केवल सरकारी योजनाओं में घोटाले करना ही नहीं है बल्कि निजी स्वार्थ सिद्धि हेतु किया गया हर गलत आचरण ही भ्रष्टाचार है।

साथियों बात अगर हम भ्रष्टाचार से आर्थिक दुष्प्रभाव की करें तो,भ्रष्टाचार का आर्थिक विकास पर दुष्प्रभाव पड़ता है,मसलन, भ्रष्टाचार के चलते सड़क कमजोर बनायी जाती है, जिससे वह जल्दी टूट जाती है, इस फॉर्मूले के अनुसार भारत और चीन की विकास दर कम होनी चाहिए थी, क्योंकि ये देश ज्यादा भ्रष्ट हैं,परंतु वास्तविकता इसके ठीक विपरीत है।भारत और चीन की विकास दर अधिक है।भ्रष्टाचार का दुष्प्रभाव इस बात पर निर्भर करता है कि भ्रष्टाचार से प्राप्त रकम का उपयोग किस प्रकार किया जाता है।

दानमल माथुर

दानमल माथुर को राजस्थान के एक प्रसिद्ध और अत्यधिक सम्मानित प्रकाशक के रूप में याद किया जाता है। वह बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी और बेहद मेहनती थे। शिक्षा में उनके योगदान के लिए राजस्थान राज्य सरकार ने वर्ष 1970 में उन्हें राज्य शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया था। इसी क्रम में मेवाड़ फाउंडेशन ने उन्हें सन 1981 में महाराणा मेवाड़ पुरस्कार से नवाजा। कई शैक्षणिक संस्थानों के बोर्ड ऑफ गवर्नमेंट में दानमल माथुर की नियुक्ति एक शिक्षाविद् के रूप में उनके उच्च सम्मान का प्रमाण है।

परिचय- राजस्थान के अजमेर में 14 मार्च, 1904 को पैदा हुए दानमल माथुर विलक्षण प्रतिभा के धनी थे। इसलिए भारत सरकार की ओर से उनके सम्मान में 7 नवम्बर, 2009 को डाक टिकट जारी किया गया। इस डाक टिकट का मूल्य 500 पैसे था।

सिद्धांतवादी और अनुशासनप्रिय- दानमल माथुर को राजस्थान के एक प्रसिद्ध और अत्यधिक सम्मानित प्रकाशक के रूप में याद किया जाता है। उन्होंने एक शिक्षाविद् के रूप में अपनी पहचान बनाई। उनके पिता मुंशी कमल माथुर पहले मेयो कॉलेज में कोटा हाउस के हाउस मास्टर थे। वह भी एक सिद्धांतवादी और अनुशासनप्रिय व्यक्ति के रूप में जाने जाते थे। दानमल माथुर ने भी अपने पिता के ऐसे ही गुणों को आत्मसात किया।

कॅरियर- गवर्नमेंट कॉलेज, अजमेर से स्नातक की डिग्री के साथ दानमल माथुर ने भौतिकी में प्रदर्शनकारी के रूप में काम किया। बाद में उन्होंने सरदार हाई स्कूल, भरतपुर में तीन साल तक अध्यापन किया। इसी बीच मेयो कॉलेज के तत्कालीन प्राचार्य वीएएस शॉ ने उनकी योग्यता को पहचानते हुए दानमल माथुर को विश्व विख्यात मेयो कॉलेज में भूगोल पढ़ाने के लिए नियुक्त किया। वहां वे भूगोल विभाग के प्रमुख बने। वहां से 1969 में हुई सेवानिवृत्ति से पहले हाउस मास्टर, फिर वाइस प्रिंसिपल तथा कार्यकारी प्रिंसिपल भी बने। दानमल भीलवाड़ा में विद्या निकेतन स्कूल और अजमेर में मयूर स्कूल के संस्थापक प्रधानाचार्य भी रहे।

सम्मान- शिक्षा में दानमल माथुर के योगदान के लिए राजस्थान राज्य सरकार ने वर्ष 1970 में उन्हें राज्य शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया। इसी क्रम में मेवाड़ फाउंडेशन ने उन्हें 1981 में महाराणा मेवाड़ पुरस्कार से नवाजा। कई शैक्षणिक संस्थानों के बोर्ड ऑफ गवर्नमेंट में दानमल माथुर की नियुक्ति एक शिक्षाविद् के रूप में उनके उच्च सम्मान का प्रमाण है।

दानमल माथुर मदन मोहन मालवीय द्वारा राजस्थान में शुरू किए गए स्काउटिंग आंदोलन के अग्रणी थे। उनकी इन सेवाओं के सम्मान में उन्हें सिल्वर स्टार और बाद में सिल्वर एलीफेंट जैसे भारत में स्काउटिंग के सर्वोच्च पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।

यादें- मेयो कॉलेज के लिए शिक्षाविद् के अलावा दानमल माथुर का विशेष योगदान वहां उनके द्वारा स्थापित संग्रहालय है, जिसे अब द दानमल माथुर संग्रहालय कहा जाता है। विदेशी आगंतुकों ने इस संग्रहालय को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ स्कूल संग्रहालयों में शामिल किया है। भारत का ओपन एयर मैप मेयो कॉलेज में उनका एक और अनूठा योगदान है।

खेलों में प्रतिभा- दानमल माथुर ने कॉलेज के दौरान खेलों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। तीन प्रमुख खेलों क्रिकेट, फुटबॉल और हॉकी में कप्तानी करने का दुर्लभ गौरव हासिल किया। सरकार ने उनकी इन खेल उपलब्धियों के लिए उन्हें कॉल्विन गोल्ड मेडल से सम्मानित किया। वह उस राजपूताना क्रिकेट टीम के सदस्य रहे, जो 30 के दशक में भारत और ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर एमसीसी के खिलाफ खेली थी। दानमल माथुर अजमेर में विभिन्न बोर्डों, समितियों और संघों में थे।

सन 1952 में संयुक्त राज्य अमेरिका में फुल ब्राइट विद्वान के रूप में उन्होंने भारतीय संस्कृति और धर्म पर व्याख्यात्मक व्याख्यान दिए। उनके विचारों से वहां के लोग काफी प्रभावित हुए और उन्हें प्रशंसा मिली।

बच्चों में भरते थे आत्मविश्वास- शिक्षाविद् के रूप में दानमल माथुर बच्चों से बेहद प्यार करते थे। साथ ही उनके आत्मविश्वास को बढ़ाकर उनकी प्रतिभा को निखारने का प्रयास करते थे। उन्होंने उनके आत्मविश्वास को प्रेरित किया। मेयो कॉलेज, अजमेर का इतिहास, भारत में स्काउट आंदोलन और राजस्थान में शिक्षा का क्षेत्र दानमल माथुर के उल्लेख के बिना अधूरा रहेगा।

खेल, शिक्षा, समाज सेवा? के अलावा स्काउटिंग में भी दिया अमूल्य योगदान

कोटा- राजस्थान के अजमेर में 14 मार्च 1904 को पैदा हुए दानमल माथुर विलक्षण प्रतिभा के धनी थे। इसलिए भारत सरकार की ओर से उनके सम्मान में 7 नवम्बर 2009 को डाक टिकट जारी किया गया। इस डाक टिकट का मूल्य 500 पैसे था। इसके बावजूद सामान्य तौर पर कायस्थ समाज उनके बारे में बिलकुल भी जानकारी नहीं रखता है।

कायस्थ टाइम्स अपने समाज की ऐसी नेपथ्य में छुपी हुई विभूतियों के बारे में जानकारी देने के अपने अभियान के तहत इस अंक में चित्रांश दानमल माथुर जी से अधिकाधिक परिचित कराने की कोशिश कर रहा है।

पिता से ग्रहण किए सिद्धांत- दानमल माथुर को राजस्थान के एक प्रसिद्ध और अत्यधिक सम्मानित प्रकाशक के रूप में याद किया जाता है। वह बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी और बेहद मेहनती थे। उनका जन्म 14 मार्च 1904 को अजमेर में हुआ था। उन्होंने एक शिक्षाविद् के रूप में अपनी पहचान बनाई। उनके पिता, मुंशी कमल माथुर, पहले मेयो कॉलेज में कोटा हाउस के हाउस मास्टर थे। वह भी एक सिद्धांतवादी और अनुशासनप्रिय व्यक्ति के रूप में जाने जाते थे। दानमल ने भी अपने पिता के ऐसे ही गुणों को आत्मसात किया।

ऐसा रहा शानदार केरियर- गवर्नमेंट कॉलेज, अजमेर से स्नातक की डिग्री के साथ दानमल माथुर ने भौतिकी में प्रदर्शनकारी के रूप में काम किया। बाद में उन्होंने सरदार हाई स्कूल, भरतपुर में तीन साल तक अध्यापन किया। इसी बीच मेयो कॉलेज के तत्कालीन प्राचार्य वीएएस शॉ ने उनकी योग्यता को पहचानते हुए दानमल को विश्व विख्यात मेयो कॉलेज में भूगोल पढ़ाने के लिए नियुक्त किया। वहां वे भूगोल विभाग के प्रमुख बने। वहां से 1969 में हुई सेवानिवृत्ति से पहले हाउस मास्टर, फिर वाइस प्रिंसिपल तथा कार्यकारी प्रिंसिपल भी बने। दानमल भीलवाड़ा में विद्या निकेतन स्कूल और अजमेर में मयूर स्कूल के संस्थापक प्रधानाचार्य भी रहे।

शिक्षा में उनके योगदान के लिए राजस्थान राज्य सरकार ने वर्ष 1970 में उन्हें राज्य शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसी क्रम में मेवाड़ फाउंडेशन ने उन्हें 1981 में महाराणा मेवाड़ पुरस्कार से नवाजा। कई शैक्षणिक संस्थानों के बोर्ड ऑफ गवर्नमेंट में दानमल माथुर की नियुक्ति एक शिक्षाविद् के रूप में उनके उच्च सम्मान का प्रमाण है।

मेयो कॉलेज में आज भी हैं उनकी यादें- मेयो कॉलेज के लिए शिक्षाविद् के अलावा उनका विशेष योगदान वहां उनके द्वारा स्थापित संग्रहालय है, जिसे अब द दानमल माथुर संग्रहालय कहा जाता है। विदेशी आगंतुकों ने इस संग्रहालय को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ स्कूल संग्रहालयों में शामिल किया है। भारत का ओपन एयर मैप मेयो कॉलेज में उनका एक और अनूठा योगदान है।

स्काउटिंग के लिए मिले सर्वोच्च सम्मान- दानमल माथुर मदन मोहन मालवीय द्वारा राजस्थान में शुरू किए गए स्काउटिंग आंदोलन के अग्रणी थे। उनकी इन सेवाओं के सम्मान में, उन्हें सिल्वर स्टार और बाद में सिल्वर एलीफेंट जैसे भारत में स्काउटिंग के सर्वोच्च पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।

PAN और Form 26S के जरिए आसानी से हो जाएगा TDS स्टेटस चेक

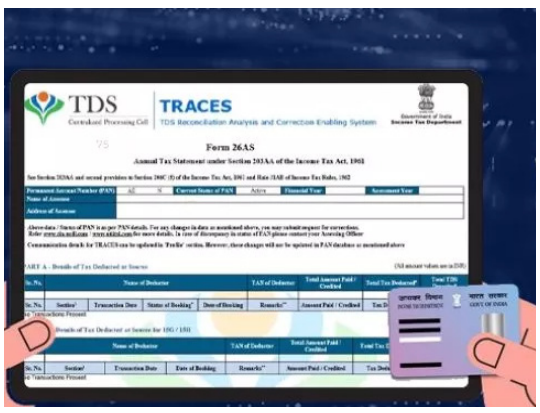

नई दिल्ली (एजेंसी)। टैक्सपेयर्स को कई बार अपना टीडीएस स्टेटस चेक करने की जरूरत पड़ जाती है. ऐसे में वे घर बैठे ही आसानी से टीडीएस चेक कर सकते हैं। टीडीएस के तहत सरकार कुछ फीसदी पैसा अपने पास रख लेती है. ये टैक्स केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड द्वारा नियंत्रित किया जाता है।

अब जानते हैं कि आप पैन कार्ड या फॉर्म 26S के जरिए ऑनलाइन टीडीएस स्टेटस कैसे चेक कर सकते हैं।

पैन कार्ड के जरिए ऐसे करें टीडीएस स्टेटस चेक

स्टेप 1- सबसे पहले आपको ऑफिशियल वेबसाइट पर जाना होगा।

स्टेप 2- इसके बाद, यहां सत्यापन कोड डालें।

स्टेप 3- फिर प्रोसिड वाले ऑप्शन पर क्लिक करें।

स्टेप 4- इसके बाद आपको यहां अपना PAN और TAN नंबर दर्ज करना होगा।

स्टेप 5- फिर आपको फाइनेंशियल ईयर तिमाही और रिटर्न में से किसी एक का चुनाव करें।

स्टेप 6- अंत में आपको GO ऑप्शन पर क्लिक करना होगा। अब आपको अपनी टीडीएस डिटेल स्क्रीन पर दिखाई दे जाएगी।

Form 26S के जरिए कैसे करें TDS चेक

स्टेप 1- सबसे पहले आपको इनकम टैक्स ई-फाइलिंग पोर्टल पर जाना होगा।

स्टेप 2- अगर आपने पहले कभी रजिस्टर नहीं किया है, तो सबसे पहले आपको रजिस्ट्रेशन करनी होगी।

स्टेप 3- फिर लॉगिन करने के बाद आपको M4 Account का ऑप्शन दिखाई देगा, इस पर क्लिक करें।

स्टेप 4- इसके बाद आपको view form 26AS का ऑप्शन चुनना होगा।

स्टेप 5- फिर फाइनेंशियल ईयर और पीडीएफ फॉर्मेट का चयन कर डाउनलोड करें.

यह ध्यान रखें कि ये पीडीएफ पासवर्ड-प्रोटेक्टेड रहेगी। इसलिए इसे खोलने के लिए पैन कार्ड में दी गई जन्मतिथि को दर्ज करना होगा।

इन दोनों के अलावा TDSCPC पोर्टल के जरिए भी TDS चेक किया जा सकता हैं।

वैश्विक मंदी की भविष्यवाणी करना अभी जल्दबाजी होगा, विशेषज्ञ बोले- अमेरिका के उच्च टैरिफ का दिखेगा असर

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस बात की चिंता बढ़ रही है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था मंदी की ओर बढ़ रही है। कुछ विशेषज्ञ तो मंदी की संभावना के बारे में भी चेतावनी दे रहे हैं। इस चिंता के पीछे मुख्य कारण हाल ही में अमेरिका की ओर से उच्च टैरिफ लगाने की घोषणा है।

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह टैरिफ अपने तय समयानुसार अप्रैल में लागू होते हैं तो इसका वैश्विक व्यापार, सप्लाई चेन और आर्थिक वृद्धि पर बड़ा प्रभाव होगा। हालांकि, कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि भी वैश्विक मंदी की भविष्यवाणी करना जल्दबाजी होगा।

बैंक ऑफ बड़ौदा के मुख्य अर्थशास्त्री मदन सबनवीस का कहना है कि अमेरिका की ओर से लगाए जाने वाले उच्च टैरिफ से महंगाई प्रभावित होने की संभावना है। इससे दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों की मौद्रिक नीतियों में नरमी लाने की गति धीमी हो सकती है।

उन्होंने कहा कि इस समय सभी केंद्रीय बैंक ब्याज दरों को कम करके विकास को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। लेकिन टैरिफ में वृद्धि इस प्रक्रिया को बाधित कर सकती है। जो देश निर्यात पर अत्यधिक निर्भर हैं, उन्हें गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा क्योंकि उनकी आर्थिक वृद्धि प्रभावित हो सकती है। भारत एक घरेलू अर्थव्यवस्था होने के नाते विकास के मोर्चे पर काफी हद तक सुरक्षित रहेगा। हालांकि, मुद्रा में तेज उतार-चढ़ाव दिखाई देगा।

आ गई टैक्स बचाने की अंतिम घड़ी, ऐसे बचाएं अपना लाखों रुपये का टैक्स

नई दिल्ली (एजेंसी)। वित्त वर्ष 2024-25 अब जल्द खत्म हो जाएगा। जिसके बाद 1 अप्रैल से नए वित्त वर्ष 2025-26 की शुरुआत हो जाएगी। ऐसे में अगर आप टैक्स सेविंग को लेकर प्लानिंग कर रहे हैं, तो अभी भी आपके पास कुछ समय बचा है।

टैक्स सेविंग के लिए कई अलग-अलग तरह की सरकारी स्कीम में अप्लाई किया जा सकता है। इसके साथ ही अगर आप टैक्स सेविंग के लिए प्लानिंग कर रहे हैं, तो आपको 31 मार्च 2025 से पहले किसी भी स्कीम में अप्लाई करना होगा।

इन स्कीम में निवेश कर बचाएं लाखों का टैक्स

टैक्स सेविंग के लिए आप कई तरह की स्कीम में अप्लाई कर सकते हैं। इसके बाद आप ओल्ड टैक्स रिजीम को चुनकर आसानी से डिडक्शन क्लेम कर सकते हैं।

मौजूदा समय में, कई सरकारी स्कीम जैसे पीपीएफ, एनपीएफ, एसएसवाई, ईएलएसएस और एससीएसएस में निवेश किया जा सकता है। ये सभी स्कीम्स निवेशकों के बीच काफी प्रसिद्ध है। इन स्कीम में निवेश कर आप लाखों रुपये का टैक्स बचा सकते हैं।

ईएलएसएस सेविंग स्कीम- ईएलएसएस को इक्विटी लिंक्ड सेविंग स्कीम भी कहा जाता है। ये एक तरह से इक्विटी म्यूचुअल फंड है। इस म्यूचुअल फंड में निवेश कर भविष्य के लिए अच्छा खासा फंड तैयार किया जा सकता है। इसके साथ ही लाखों रुपये का टैक्स भी बच जाता है।

इस स्कीम का लॉक-इन पीरियड 3 साल का है. इस स्कीम के तहत इनकम टैक्स धारा 80 सी के तहत 1.5 लाख रुपये की टैक्स छूट मिल जाती है। वहीं ईएलएसएस से मिलने वाले 1 लाख रुपये तक के रिटर्न में कोई टैक्स नहीं लगता है।

पीपीएफ सेविंग स्कीम- पब्लिक प्रोविडेंट फंड में आपको 7.1 फीसदी तक ब्याज मिल जाता है। ये निवेशकों की बीच सबसे पॉपुलर स्कीम है। इस स्कीम में भी आपको इनकम टैक्स सेक्शन 80सी के तहत 1.5 लाख रुपये तक की छूट मिल जाएगी।

इस बार प्याज की बंपर उपज की उम्मीद, गिरने लगीं कीमतें, खेती का रकबा पिछले साल से 25 फीसदी ज्यादा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले वर्ष की तुलना में इस बार प्याज की अच्छी पैदावार होने की उम्मीद है। बाजार में उपलब्धता बढ़ेगी तो कीमतें गिरेंगी, जिससे उपभोक्ताओं को राहत मिल सकती है। महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गुजरात एवं राजस्थान से प्याज की नई फसल बाजार में आने लगी है।

ऐसे में व्यापारी और किसान चाहते हैं कि प्याज के निर्यात पर 20 प्रतिशत की ड्यूटी हटे ताकि उत्पादन के मुकाबले निर्यात भी बढ़े। अभी निर्यात न के बराबर है। कीमतों में तेजी से गिरावट की बड़ी वजह यह भी है। तीन महीने पहले 50-60 रुपये प्रतिकिलो की दर से बिकने वाली प्याज आज मंडियों में 15-20 रुपये प्रतिकिलो की दर पर आ चुकी है।

उपाय नहीं किए गए तो और नीचे जा सकती हैं कीमतें- वैकल्पिक उपाय नहीं किए गए तो कीमत अभी और नीचे जा सकती है। हालांकि खुदरा बाजार में इसकी कीमत अभी भी 30 से 40 रुपये किलो है। पिछले हफ्ते ही केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कृषि क्षेत्र की समीक्षा में पाया कि महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गुजरात एवं राजस्थान में नई फसलों की आवक बढ़ रही है। कृषि मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार इस वर्ष प्याज की खेती का रकबा पिछले वर्ष से लगभग 25 प्रतिशत ज्यादा है।

पत्नी के साथ ज्वाइंट होम लोन लेने पर मिलेगा डबल बेनिफिट, टैक्स सेविंग भी होगी ज्यादा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पत्नी के साथ होम लोन लेने पर आपको कई फायदे मिल जाते हैं। ज्वाइंट होम लोन लेने पर ईएमआई से ब्याज दर पर अच्छी खासी छूट भी मिल जाती है। वहीं आप इनकम टैक्स के लिए बचत भी कर सकते हैं।

ज्वाइंट होम लोन लेने पर आपका ब्याज दर कम हो जाता है, जिससे ईएमआई पर भी फर्क पड़ता है। वहीं उधारकर्ता के लोन लेने की लिमिट भी बढ़ जाती है।

ज्यादातर बैंक होम लोन पर एक जैसा ही लोन देते हैं, लेकिन अगर कोई उधारकर्ता ज्वाइंट होम लोन लेता है, तो उसे कम ब्याज दर लोन मिल जाता है।

इस बारे में मिली जानकारी के मुताबिक ज्वाइंट होम लोन लेने पर 0.05 फीसदी ब्याज दर की छूट मिल जाती है। इसके अलावा अगर आप अपनी पत्नी के साथ होम लेते है, तो उनका प्रॉपर्टी पर मालिकाना अधिकार होना जरूरी है।

इतने लाखों का बच जाएगा टैक्स- ज्वाइंट होम लेने पर बस आपको लोन पर ही फायदा नहीं मिलता, बल्कि इससे इनकम टैक्स पर भी छूट मिल जाती है। ज्वाइंट होम लोन वाले दोनों ही को-एप्लीकेंट अलग-अलग टैक्स बेनिफिट के लिए अप्लाई कर सकते हैं। पति और पत्नी दोनो ही 1.5 लाख-1.5 लाख रुपये तक क्लेम कर सकते हैं।

इसके साथ ही सेक्शन 24 के तहत पति और पत्नी दोनों ही 2-2 लाख रुपये तक क्लेम कर सकते हैं। जिसका मतलब है कि कुल मिलाकर आपको 7 लाख रुपये तक लोन का फायदा मिल जाता है।

जीएसटी को तर्कसंगत बनाने से सस्ती होंगी वस्तुएं, टैक्स घटने से खपत और रोजगार दोनों में होगी बढ़ोत्तरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। जीएसटी दरों को तर्कसंगत बनाने की कवायद में अधिकतर वस्तुओं की दरें कम हो सकती है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पिछले सप्ताह एक कार्यक्रम में साफ संकेत दिया था कि अब अगली बारी जीएसटी दरों में कटौती की है।

यह कटौती पूर्ण रूप से राज्यों की सहमति पर निर्भर करेगी। पिछले दो साल से मंत्रियों का समूह इस दिशा में काम कर रहा है, लेकिन जीएसटी काउंसिल की पिछली तीन बैठकों से इस मुद्दे पर कोई विचार नहीं किया जा रहा है।

जल्द हो सकती है जीएसटी काउंसिल की बैठक- सूत्रों के मुताबिक चालू संसद सत्र के समाप्त होने के बाद अप्रैल के आखिर या मई के पहले सप्ताह में जीएसटी काउंसिल की बैठक बुलाई जा सकती है। इसमें जीएसटी की दरों को कम करने को लेकर चर्चाएं होंगी। जीएसटी की दरों को कम करने के मसले पर राज्य कितने सहमत होंगे, इस बात को लेकर संशय है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

देवी धाम सलकनपुर में प्रसादी की 15 दुकानों में लगी आग, लाखों रुपये का नुकसान

रेहटी। बुधवार को प्रसिद्ध देवी धाम सलकनपुर में दुकानों में आग लग गई, जिसमें लगभग 10 से 15 दुकान जलकर खाक हो गई। आग लगने की घटना सुबह लगभग 8.30 बजे की है। स्थानीय लोगों ने बताया कि सुबह दुकानों में आग जैसे ही लगी सभी दुकानदार मंदिर पहुंच गए और मंदिर पर चल रहे देवीलोक के निर्माण कार्य में लगे पानी के टैंकर और फ्लोरी में पानी भरकर बुलाया और दुकानदारों ने प्लास्टिक के कुप्पों से आग बुझाई। मंदिर की चढ़ाई ज्यादा होने की वजह से दमकल देर से पहुंच सकी।तेजी से फैली आग

स्थानीय व्यापारी अरविंद मालवीय एवं पंकज शर्मा ने बताया कि आग तेजी से फैल रही थी। दुकानदारों ने तत्परता दिखाते हुए आग पर काबू पा लिया।

यदि आग को बुझाया नहीं गया होता तो लगभग सभी दुकानें आग में झुलस जाती। आग की रफ़्तार इतनी तेज थी कि रोड क्रास करके सामने वाली लाइन के पर्दे, बैनर और मेट भी आग में झुलस गए।

मौके पहुंचे एसडीएम दिनेश तोमर, एसडीओपी बुदनी रवि शर्मा, तहसीलदार भूपेंद्र कैलाशिया, थाना प्रभारी राजेश कहारे, सलकनपुर चौकी प्रभारी भावना यादव, मंदिर ट्रस्ट सचिव रामकिशोर दुबे सहित प्रशासनिक अधिकारियों ने घटना का मौका मुआयना किया।

पुलिस आग लगने के कारण की जांच कर रही है फिलहाल कारण अज्ञात है।अक्सर होती रहती है आग लगने की घटना 2008 में सलकनपुर मंदिर के पास भेरू घाटी पर शार्टसर्किट से लगभग 40 दुकानें पूरी तरह जलकर ख़ाक हो गई थी। देखा गया कि दिवाली की रात भी मंदिर पर दुकानों में आग लगने की हुई है। इसका कारण कभी शार्टसर्किट तो कभी जंगल के सूखे पत्तों या दुकानों के अवशेष कचरे की वजह रहे हैं।

नंबर चढ़ाने में हुई हर गलती के लिए कॉपी जांचने वाले पर 100 रुपये जुर्माना

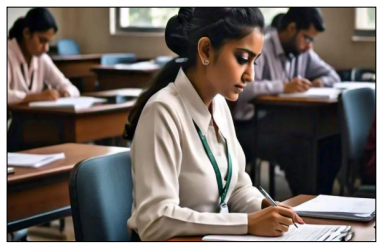

भोपाल। माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) की 10वीं व 12वीं बोर्ड परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन प्रत्येक परीक्षक को गंभीरता से करने के निर्देश दिए गए हैं। मंडल ने तय किया है कि इस बार कापियों की जांच तीन चरण में की जाएगी। नंबर दर्ज करने में गलती होने पर मूल्यांकनकर्ताओं पर जुर्माने का भी प्रावधान किया है।

अगर किसी मूल्यांकनकर्ता ने परीक्षार्थी का प्राप्तांक चढ़ाने में गलती की, तो प्रत्येक ऐसी गलती पर उसे 100 रुपये का जुर्माना देना होगा।13 मार्च से शुरू हो रहा मूल्यांकन 10वीं और 12वीं की वार्षिक परीक्षा का मूल्यांकन 13 मार्च से शुरू हो रहा है। माशिमं से तय नियमों के मुताबिक, मूल्यांकनकर्ताओं को अपना काम शुरू करने से पहले एक आदर्श उत्तर की कॉपी दी जाएगी।

इसके आधार पर उन्हें मिली कॉपियों की जांच करनी है। एक मूल्यांकनकर्ता कॉपी की जांच के बाद प्रत्येक प्रश्न के उत्तर पर अंक देगा। अंत में परीक्षार्थी को मिले सभी अंकों का जोड़ मुखपृष्ठ पर लिखा जाएगा।

अंकों का जोड़ करते समय यदि किसी परीक्षार्थी को 90 या 99 अंक आ रहे हैं, तो उसकी कॉपी दोबारा जांची जाएगी।

ग्वालियर में रील बनाते समय ब्लास्ट में झुलसे युवक ने तोड़ दिया दम, युवती की हालत गंभीर

ग्वालियर। लेगेसी प्लाजा में हुए ब्लास्ट में घायल हुए युवक और युवती में से युवक जिंदगी की जंग हार गया। बीती रात लगभग दो बजे उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई, वहीं युवती की स्थिति अभी गंभीर बनी हुई है। युवक की मौत की सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर लिया है। दरअसल गोला का मंदिर की भिंड रोड पर द लेगेसी प्लाजा में पांच दिन पहले रात को सवा दो बजे रील बनाने के चक्कर में हुए एलपीजी ब्लास्ट में सातवें माले पर रहने वाली 34 वर्षीय रंजना राणा पत्नी संजीव राणा और उसका रिश्तेदार अनिल राणा गंभीर रूप से झुलसे थे।गैस निकालते हुए वीडियो शूट कर रहे थे मामले का पता चलते ही उन्हें उपचार के लिए भर्ती कराया गया था। जहां पर बीती रात करीब दो बजे अनिल राणा ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। बता दें यह हादसा रील बनाते समय हुआ था। रंजना और अनिल रील बनाते हुए एलपीजी गैस सिलेंडर से गैस निकालते हुए वीडियो शूट कर रहे थे।सीएफएल जलाते ही हो गया धमाकाकाफी मात्रा में गैस रिस जाने के बाद उन्होंने तेज रोशनी के लिए सीएफएल जलाने के लिए स्विच्ड दबाया और उसमें हुई स्पार्किंग से ब्लास्ट हो गया।

इस घर में अचानक गिरते हैं पत्थर, लग जाती है आग, कपड़े और नोट जले, टिफिन उड़कर गिरा

आलोट (रतलाम)। रतलाम जिले की आलोट तहसील मुख्यालय से करीब छह किलोमीटर दूर स्थित ग्राम जलोदिया में किसान व पूर्व सरपंच भगवाना सिंह कछावा के घर पिछले दो माह से अजीबोगरीब घटनाएं हो रही है। कई बार उनके घर में अचानक पत्थर गिरने, कपड़ों व सामान में आग लगने व घर में रखा सामान उड़कर गिरने की कई घटनाएं हो चुकी हैं। घटनाएं रहस्यमयी बनी हुई हैं। किसी की समझ में नहीं आ रहा है कि घटनाएं क्यों हो रही हैं।किसान भगवान सिंह कछावा ने बताया कि वे उक्त मकान में करीब 13 वर्ष से रह रहे हैं।

करीब दो माह से उनके घर में छत के ऊपर से छोटे-बडे पत्थर गिरने की कई घटनाएं हो चुकी हैं।

पत्थर गिरने से परिवार के लोग चोटिल भी हुए हैं।

यही नहीं घर व बाडे में रखा समान पानी से भरी केन, बर्तन आदि उड़कर दूर जाकर गिर जाते हैं।

इस प्रतिनिधि ने बुधवार दोपहर उक्त गांव के मकान पर पहुंचकर पीडित परिवार से मुलाकात की तथा वस्तुस्थिति जानने-समझने का प्रयास किया।

वे घर के अंदर थे तभी पलंग पेटी पर रखा रोटी से भरा टिफिन अचानक कुछ ऊपर उड़ा।

जमीन पर जाकर गिर गया। नीचे गिरने से उसमें रखी रोटियां भी जमीन पर बिखर गई।

भानेज की कुर्ती में अचानक आग लगी

भगवान सिंह कछावा ने बताया कि करीब छह दिन से प्रतिदिन घर में रखे कपड़ों में अपने-आप आग लग रही है, जिससे अधिकांश बिस्तर, नये-पुराने कपड़े तथा अलमारी में रखे 50 हजार रुपए रुपये भी जल चुके हैं।

तीन दिन पहले उनकी भानेज सुनीता बाडे में खड़ी थी, तभी उसकी पहन रखी कुर्ती में अचानक आग लग गई। पास में खड़े अन्य स्वजन ने तत्काल दौड़कर आग बुझाकर उसे बचाया।

खिडकी, दरवाजे के पर्दे और गेंहू से भरे प्लास्टिक के कट्टों तक मे आग लग चुकी है।

इन घटनाओं से हम सब हैरान-परेशान हैं।

घटनाएं दिन में ही होती है तथा हमेशा ध्यान रखते हैं कि कहीं आग न लग जाए। आग लगने पर तत्काल बुझाने में जुट जाते हैं।सुंदरकांड, हवन भी कराया

गांव के चेनसिंह कछावा व लालसिंह कछावा ने बताया कि हम तो क्या कई लोगों ने घर की स्थिति को देखा तथा घटनाओं को समझने का प्रयास किया।

बुजुर्ग भी कहते हैं कि इस तरह की घटना गांव में पहली बार देखने-सुनने को मिल रही हैं।

भगवानसिंह कछावा ने बताया कि लोग घटनाओं के पीछे अलग-अलग मत प्रकट करते हैं।

और कहते हैं ऐसा करो, वैसा करो, कहकर लौट जाते हैं।

हमने घर में सुंदरकांड, दुर्गापाठ, हवन सहित विभिन्न टोने-टोटके भी कराए हैं।

लेकिन इसके बाद भी घटनाओं पर अंकुश नहीं लग पा रहा है तथा समझ में नही आ रहा है कि क्या करें।

जल संरक्षण को बनाएं जन आंदोलन : मंत्री श्री सिलावट

प्रदेश में 30 मार्च से चलेगा जल गंगा संवर्धन अभियान

इंदौर। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का संकल्प है कि हर घर स्वच्छ पेयजल और खेती के लिए हर खेत तक पानी पहुंचे। इसके लिए प्रदेश में केन-बेतवा और पार्वती-कालीसिंध-चंबल परियोजनाओं के बाद ताप्ती मेगा बेसिन परियोजना बनाई जा रही है। इसके साथ ही प्रदेश के विभिन्न सिंचाई योजनाओं के माध्यम से सिंचाई के रकबे में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। प्रदेश में जल संरक्षण एवं संवर्धन के लिए तालाब एवं अन्य जल स्त्रोतों के उन्नयन, विकास, गहरीकरण, जल स्त्रोतों को अतिक्रमण मुक्त करने और उनके आसपास पौधा-रोपण आदि के उद्धेश्य से प्रदेश में 30 मार्च 2025 से 30 जून 2025 तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने प्रदेश में जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाने का जनता से आहवान किया।

जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट ने मंगलवार को प्रमुख अभियंता जल संसाधन कार्यालय भोपाल के सभाकक्ष में अभियान की तैयारियों के संबंध में बैठक ली। बैठक में अपर मुख्य सचिव जल संसाधन विभाग डॉ. राजेश राजौरा, प्रमुख अभियंता जल संसाधन श्री विनोद कुमार देवड़ा सहित सभी संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि जल संसाधन विभाग में प्रदेश में 32 वृहद, 120 मध्यम एवं 5 हजार 800 लघु जल संरचनाएं हैं। इनमें बनाए गए बांधों की नहर प्रणाली 40 हजार किलोमीटर की है जिनमें 16 हजार किलोमीटर पक्की और 24 हजार किलोमीटर कच्ची नहरें हैं। इन नहरों से सिंचाई के लिए खेतों तक पानी पहुंचाया जाता है। अभियान के अंतर्गत जल संरचनाओं की आवश्यक मरम्मत, सौंदर्यीकरण एवं विकास कार्य किया जाना है।

जल संसाधन मंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में जल संरक्षण एवं संवर्धन की समृद्धशाली परंपरा रही है। यहां की चंदेल कालीन जल संरक्षण प्रणाली न केवल भारत बल्कि पूरे विश्व में प्रसिद्ध रही है। जल संसाधन संभाग छतरपुर में 44, टीकमगढ़ में 71 और पन्ना में 5 चंदेल/बुंदेलकालीन तालाब हैं। अभियान के अंतर्गत इन सभी का संरक्षण किया जाना है।

जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट ने निर्देश दिए कि प्रदेश के जनजातीय क्षेत्रों में जल संरक्षण के लिए छोटी-छोटी योजनाएं बनाकर कार्य कराया जाए। आगामी बारिश के पूर्व प्रदेश के सभी पुराने बांधों एवं जल स्त्रोतों की मरम्मत सुनिश्चित की जाए। इसके लिए गत वर्ष में जिन-जिन तालाबों/ जल स्त्रोतों में क्षति हुई उनकी सूची बनाई जाए तथा उन जल स्त्रोतों का विशेष ध्यान रखा जाए। बांधों की सुरक्षा के लिए हर संभव उपाय किए जाएं।

जल संसाधन मंत्री ने विभाग के सभी मुख्य अभियंताओं को निर्देश दिए कि वे अपने बेसिन के अंतर्गत आने वाली जल संरचनाओं के संरक्षण एवं विकास का कार्य सुनिश्चित करें। जल संरक्षण एवं विकास कार्य में जन सहयोग लें।

जलवायु परिवर्तन एवं मानव स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत अंतर्विभागीय बैठक सम्पन्न

इंदौर। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बी. एस. सैत्या की अध्यक्षता में जलवायु परिवर्तन एवं मानव स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत अंतर्विभागीय बैठक आयोजित हुई।

बैठक के प्रारंभ में जिला महामारी विशेषज्ञ अधिकारी डॉ. अंशुल मिश्रा द्वारा कार्यक्रम की महत्ता बताते हुए विभाग द्वारा जलवायु परिवर्तन एवं स्वास्थ्य पर विभागीय कार्यों के संबंध में जानकारी दी गई। उन्होंने जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत समन्वय और विभागीय सहयोग की आवश्यकता जताई। बैठक में जलवायु परिवर्तन और मानव स्वास्थ्य के संबंध में विभिन्न विभागों के साथ संवाद और विचार-विमर्श किया गया। इस बैठक में विभिन्न विभागों के प्रतिनिधियों द्वारा अपने विभागों की गतिविधियों, योजनाओं और भविष्य की योजनाओं पर चर्चा की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य था कि सभी विभाग स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर जलवायु परिवर्तन से संबंधित मुद्दों पर काम करें और एक समन्वित दृष्टिकोण विकसित करें।

बैठक में पंचायत राज विभाग से डॉ. जमाल ए खान, महिला एवं बाल विकास विभाग से श्री जय श्रीवास्तव, जिला पशु चिकित्सा विभाग से डॉ. मिताली मेहता, शिक्षा विभाग से कीर्ति गुरु, कृषि विभाग से श्री एस. आर. आस्के, आई.डी.एस.पी. से शारदा त्रिपाठी, क्लीन एयर केटेलिस्ट (एन.जी.ओ.) से मेघा नामदेव, श्री सौरभ पोरवाल व डॉ. दिलीप वाघेला, सेवा फाउंडेशन से आयुषी छगन व कविता मालवीय, स्लस्ड्रझ्स महाविद्यालय से श्री विवेक तिवारी एवं आस फाउंडेशन से श्री लोकेन्द्र राव जाधव उपस्थित थे।

समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी व्यापक तैयारियां जारी- 15 मार्च से शुरु होगा खरीदी का कार्य

इंदौर। इंदौर संभाग में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी का कार्य 15 मार्च से प्रारंभ होगा। इसके लिये व्यापक तैयारियां जारी है। समर्थन मूल्य पर गेहूं ?विक्रय के लिये संभाग के 61 हजार 642 किसानों ने अपना पंजीयन कराया है। किसानों से बोनस सहित 2600 रूपये प्रति क्विंटल की दर से गेहूं खरीदा जायेगा। खरीदी के लिये 307 केन्द्र स्थापित किये जा रहे है। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह ने संभाग के सभी जिलों के कलेक्टरों को पत्र लिखकर निर्देशित किया है कि संभाग में पंजीयत सभी किसानों का सत्यापन कर लिया जाये। साथ ही खरीदी केन्द्र पर सभी आवश्यक व्यवस्था उपलब्ध रहे ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित की जाये। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह ने निर्देश दिये है कि खरीदी कार्य के संबंध में तथा समर्थन मूल्य के बारे में व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाये। पंजीकृत किसानों के बोए गये रकबे, फसल के लिये ई-गिरदावरी, शत-प्रतिशत प्रत्येक गांव, प्रत्येक किसान के सत्यापन का कार्य 15 मार्च 2025 तक पूर्ण कर लिया जायें। पंजीकृत किसानों के बोये गये रकबे का भौतिक सत्यापन अविलम्ब पूर्ण कर एसडीएम/तहसीलदार के लॉगिन में ई-उपार्जन पोर्टल पर सत्यापन की कार्यवाही समय सीमा में पूर्ण की जाये।

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री आशीष सिंह ने महू उपद्रव के दो आरोपियों पर लगाई रासुका

इंदौर। इंदौर जिले में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने हेतु कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री आशीष सिंह द्वारा आपराधिक प्रवृत्ति में लिप्त दो व्यक्तियों पर रासुका की कार्रवाई की गई है। पुलिस अधीक्षक इंदौर (ग्रामीण) के प्रतिवेदन के आधार पर कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री आशीष सिंह ने सोहेल पिता साहिद कुरैशी, निवासी बतख मोहल्ला महू, जिला-इन्दौर और एजाज पिता मोहम्मद रफीक खान निवासी बंडा बस्ती, हाल निवास कंचन विहार खान कालोनी महू जिला इंदौर को राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम 1980 के प्रावधानों के तहत गिरफ्तार कर जेल भेजने के आदेश जारी किये हैं। उल्लेखनीय है कि भारत और न्यूजीलैंड के मध्य चेंपियंस ट्रॉफी फाईनल भारत के जीतने के बाद महू में आमजन द्वारा भारतीय टीम की जीत की खुशी में मोटर साईकिल पर तिरंगा लेकर विजय जुलूस निकाला जा रहा था। जुलूस में बच्चे व युवा लोग सभी साथ में सम्मिलित थे, तब अनावेदकों द्वारा मोती महल चौराहे पर एक मत होकर अपने साथियों के साथ मिलकर षडयंत्र पूर्वक साम्प्रदायिक सौहार्द खराब करने की नियत से ईट पत्थर आदि से जुलूस पर रूकावट करने हेतु पथराव किया गया। जिससे लोगों को चोट पहुंची और साम्प्रदायिक सौहार्द को तहस नहस किया गया। चेंपियंस ट्रॉफी फाईनल जीतने पर निकल रहे जुलूस पर अनावेदकों द्वारा आमजनों को गालियां देते हुये षड्यंत्र पूर्वक एक मत होकर ईट पत्थर से पथराव किया गया एवं साम्प्रदायिक माहौल बिगाड़ने का प्रयास किया। दोनों ही आरोपी अपराध जगत में सक्रिय है। इनके विरूद्ध आम जनों को अश्लील गालियां देने, मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने, तोडफोड कर नुकसान पहुंचाने, साम्प्रदायिक उन्माद पैदा कर दंगे करने, लोक व्यवस्था भंग करने जैसे विभिन्न आपराधिक मामलों में प्रकरण पंजीबद्ध हैं।

सरकारी स्कूलों में कक्षा 9 में ड्रॉप-आउट दर को कम करने के लिये ब्रिज कोर्स

इंदौर। प्रदेश में सरकारी स्कूलों में कक्षा 9वीं में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों में अध्ययन के स्तर और दक्षता को सुधारने के लिये स्कूल शिक्षा विभाग ब्रिज कोर्स का संचालन कर रहा है। इसके लिये हिन्दी, अंग्रेजी एवं गणित विषय के 9 हजार 312 रिसोर्सपर्सन तैयार किये गये हैं। इनका प्रशिक्षण भोपाल के वाल्मी संस्थान में फरवरी माह में कराया जा चुका है। प्रदेश में 4 हजार 200 हाई स्कूल और 4 हजार 100 हायर सेकेण्डरी सरकारी स्कूल हैं। अब इन स्कूलों में हिन्दी, अंग्रेजी एवं गणित के एक-एक शिक्षक को प्रशिक्षण देने की व्यवस्था मार्च माह से शुरू कर दी गई है। प्रदेश में लगभग 27 हजार शिक्षकों को ब्रिज कोर्स का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। ब्रिज कोर्स के माध्यम से सरकारी स्कूलों को ड्रॉप-आउट दर को कम करने में मदद मिलेगी।

ब्रिज कोर्स- प्रशिक्षण प्राप्त शिक्षक अप्रैल माह में और 16 जून से 20 जुलाई तक ब्रिज कोर्स का संचालन करेंगे। ब्रिज कोर्स का संचालन सभी सरकारी हाई और हायर सेकण्डरी स्कूलों में होगा। इसके साथ ही इन 3 विषयों के अलावा विज्ञान एवं संस्कृत विषय की पढ़ाई भी इन बच्चों को कराई जायेगी। लोक शिक्षण संचालनालय ने स्कूल में लगने वाली ब्रिज कोर्स की समय-सारणी भी तैयार की है।

बेसलाइन टेस्ट- ब्रिज कोर्स के दौरान ही 5 और 12 अप्रैल को इन विद्यार्थियों का बेस लाइन टेस्ट अंग्रेजी, गणित और हिन्दी में लिया जायेगा। बेस लाइन टेस्ट पेपर 31 मार्च को स्कूल शिक्षा विभाग के ÷विमर्श÷ पोर्टल पर अपलोड कर दिये जायेंगे। इस संबंध में जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दे दिये गये हैं। तय तिथियों में जो विद्यार्थी किन्ही वजह से टेस्ट नहीं दे पायेंगे, उनके लिये अलग व्यवस्था की गई है। बेस लाइन टेस्ट की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन संबंधित शिक्षकों द्वारा उसी दिन किये जाने की व्यवस्था की गई है। बेस लाइन टेस्ट में कम दक्षता वाले विद्यार्थियों के लिये अंग्रेजी, हिन्दी और गणित विषय के ब्रिज कोर्स की व्यवस्था की गई है।

एंडलाइन टेस्ट- सरकारी हाई और हायर सेकेण्डरी स्कूलों में ब्रिज कोर्स की समाप्ति पर 20 जुलाई के बाद विद्यार्थियों की गुणवत्ता जांचने के लिये एंडलाइन टेस्ट की भी व्यवस्था की जा रही है। यह टेस्ट 21 से 25 जुलाई के बीच होगा।

इस संबंध में लोक शिक्षण संचालनालय ने सभी सरकारी स्कूलों को निर्देश दिये हैं। ब्रिज कोर्स की मॉनिटरिंग के लिये 3 स्तर पर राज्य, संभाग और जिला स्तर के अधिकारियों द्वारा नियमित मॉनिटरिंग की जायेगी। जिला शिक्षा अधिकारी को प्रति माह कम से कम 10 विद्यालयों में मॉनिटरिंग किये जाने के लिये कहा गया है। उनके इस कार्य में जिला परियोजना समन्वयक और विकासखंड शिक्षा अधिकारी मदद करेंगे।

जिला स्तर पर होगा मूल्यांकन- ब्रिज कोर्स संचालन के दौरान जिला स्तर के अधिकारी रेन्डमली कम से कम 10 प्रतिशत विद्यार्थियों की उत्तर पुस्तिकाएं जिला स्तर पर बुलाकर पुनः मूल्यांकन करेंगे। इन बच्चों की दक्षता सुधार के लिये लोक शिक्षण संचालनालय स्तर पर वर्ष भर सतत् प्रयास किये जायेंगे।

अवैध उत्खनन करने वालों के विरूद्ध की गई प्रभावी कार्रवाई

इंदौर। कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देशन में इंदौर जिले में अवैध उत्खनन करने वालों के विरूद्ध प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में सांवेर तहसील अंतर्गत ग्राम रिंगनोदिया के शासकीय तालाब भूमि सर्वे क्रमांक 115 रकबा 4.452 हेक्टेयर पर अवैध उत्खनन के संबंध में खनिज विभाग द्वारा प्रभावी कार्रवाई की गई है। सहायक खनि अधिकारी श्री जयदीप नामदेव एवं टीम द्वारा अवैध उत्खनन में कार्यवाही करते हुए उत्खनन कार्य में संलिप्त पाई गई दो पोकलेन मशीनों को जप्त किया गया है।

भारत निर्वाचन आयोग चुनावी प्रक्रिया को मजबूत बनाने पार्टी अध्यक्षों और वरिष्ठ नेताओं से करेगा बातचीत

इंदौर। भारत निर्वाचन आयोग ने कानूनी ढांचे के भीतर चुनावी प्रक्रियाओं को और मजबूत बनाने के लिए पार्टी अध्यक्षों और वरिष्ठ नेताओं को बातचीत के लिए आमंत्रित किया है। अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री राजेंद्र सिंह रघुवंशी ने बताया है कि आयोग ने सभी राष्ट्रीय और प्रदेश स्तरीय राजनीतिक दलों से ईआरओ, कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी स्तर पर अनिराकृत मुद्दों के लिए 30 अप्रैल, 2025 तक सुझाव भी मांगा है। आयोग ने इस संबंध में राजनीतिक दलों को व्यक्तिगत रूप से पत्र भी जारी किया है। उल्लेखनीय है कि पिछले सप्ताह भारत निर्वाचन आयोग द्वारा एक सम्मेलन किया गया था।

जिसमें भारत निर्वाचन आयोग के मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार ने सभी प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारियों के साथ बैठक की थी, जिसमें उन्होंने सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के सीईओ, डीईओ और ईआरओ को राजनीतिक दलों के साथ नियमित तौर पर बातचीत करने, ऐसी बैठकों में प्राप्त किसी भी सुझाव को सख्ती से कानूनी दायरे के भीतर हल करने के निर्देश दिए थे। आयोग ने राजनीतिक दलों से विकेंद्रीकृत जुड़ाव के इस तंत्र का सक्रिय रूप से उपयोग करने का आग्रह भी किया है।

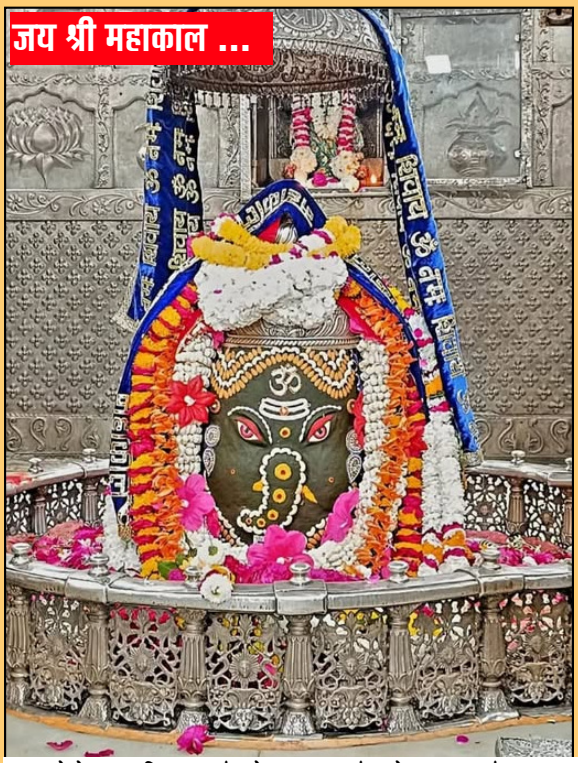

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

हमारी जन श्रुतियाँ, लोकोक्तियाँ, कथाएँ इतिहास की मार्गदर्शिका-आचार्य प्रद्युम्न

विक्रमोत्सव 2025-अंतरराष्ट्रीय इतिहास समागम का समापन

उज्जैन। जीवन के लिए कर्म करो। कर्म निष्काम करो। कर्म धर्म से युक्त हो और जो कर्म धर्म से युक्त है वह समाज के हितार्थ होता है। कर्मचारी समाज के हित में हो और अंत में यह धर्म से युक्त कर्म निष्काम कर्म में बदलना चाहिए?। कर्म निष्काम होना चाहिए।

समाज में एकता अखंडता और सामंजस्य लाना है तो उसके लिए प्रेम अत्यंत आवश्यक है। यह प्रेम निष्काम कर्म से ही लाया जा सकता है। आचार्य प्रद्युम्न ने आगे यह भी कहा की इतिहास लेखन की परंपरा जितनी लिखित है। उतनी अलिखित भी है। जिसमें कि हमारी जन श्रुतियाँ, लोकोक्तियाँ, कथाएँ इसकी मार्गदर्शिका है। लिखित इतिहास में उन्होंने ऋग्वेद को सर्वाधिक प्राचीन लिखित साहित्य

का लिखित इतिहास का साक्षी माना। यह बात हरिद्वार के आध्यात्मिक संत आचार्य प्रद्युम्न ने विक्रमोत्सव अंतर्गत आयोजित अंतराष्ट्रीय इतिहास समागम के समापन कार्यक्रम को संबोधित करते कही। उन्होंने कहा कि जो हमें वेदों में विभिन्न आख्यान मिलते हैं वह सभी कहीं ना कहीं इतिहास से जुड़े हुए हैं। क्योंकि उनमें भूमंडल की बात है। उनमें स्थान विशेष के देवी देवताओं या पूजा पद्धतियों की बात है।यह कहीं ना कहीं इतिहास से जुड़ता है।

समापन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, नई दिल्ली के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. ईश्वरशरण विश्वकर्मा थे। डॉ. विश्वकर्मा ने सम्राट विक्रमादित्य संबंधी कथानक और भारतीय ज्ञान परंपरा जैसे विषयों पर सारगर्भित चर्चा करते हुए कहा कि इस तीन दिवसीय इतिहास समागम में महत्वपूर्ण मंथन हुआ है।

अंतराष्ट्रीय इतिहास लेखन पर पढ़े गए पत्रों के माध्यम से क्षेत्रीय इतिहास का पुनर्लेखन एक महत्वपूर्ण विषय है। मालवा के इतिहास पर नए-नए तथ्यात्मक जानकारी प्रस्तुत करेगा। इस अवसर पर विक्रम विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. अर्पण भारद्वाज ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि इतिहास केवल प्राचीन घटनाओं को नहीं बताता।

श्री कृष्ण सुदामा मित्रता स्थली नारायणा धाम पर फाग महोत्सव, ध्वज उत्सव आज

निर्वाणी अखाड़ा द्वारा पेशवाई में निशान एवं अखाड़ा निकाला जाएगा

उज्जैन। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी श्रीकृष्ण-सुदामा की मित्रता के प्रतिक स्थल नारायणा धाम में श्री कृष्ण सुदामा उत्सव समिति द्वारा आज 13 मार्च गुरूवार को 201 क्विंटल फूलों से होली खेलने का भव्य आयोजन किया जाएगा।

डॉ दुर्गा शंकर पांचाल बाँदका ने बताया कि जिस प्रकार मथुरा, वृन्दावन व गोकुल में रंग गुलाल की होली विश्व प्रसिद्ध है। उसी प्रकार नारायणा धाम में फूलों की होली प्रसिद्ध है। इस आयोजन में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की हमेशा से रुचि रही है और समय अनुसार कार्यक्रम में सम्मिलित हुए हैं। कार्यक्रम में ध्वजारोहण का सौभाग्य महंत श्री जितेन्द्रजी भारती मंगलनाथ मंदिर पुजारी को प्राप्त हुआ है। महंत श्री दिग्विजयजी महाराज निर्वाणी अखाड़ा द्वारा पेशवाई में निशान एवं अखाड़ा निकाला जावेगा। होली एवं ध्वज उत्सव चल समारोह मंदिर से सुबह 9 बजे से बैण्ड-बाजे एवं ढोल नगाड़ों के साथ प्रारंभ होगा। मालवी फाग गीतों पर थिरकते-झूमते-गाते बाबूलाल देवड़ा की कलाकार मंडली सम्मिलित होगी। साथ ही अन्य क्षेत्रों से भजन मण्डलिया भी सम्मिलित होगी। चल समारोह में ढोल, नगाड़े, हाथी, घोड़े, ऊंट इत्यादि सम्मिलित होगे। सम्पूर्ण गांव में इस फूल गैर का फूलों से भव्य स्वागत होगा। सम्पूर्ण उत्सव कार्यक्रम को इन्दौर के हरीश जोशी द्वारा ड्रोन कैमरे से शूटिंग किया जायेगा। दोपहर अभिजीत मुहुर्त में मंदिर के शिखर पर भव्य ध्वजारोहण होगा।

इंदौर नागपुर ट्रेन को भुसावल तक बढ़ाए जाने की मांग

उज्जैन। सप्ताह में एक बार चलने वाली इंदौर-नागपुर ट्रेन को भुसावल तक बढ़ाए जाने की मांग को लेकर महाराष्ट्र समाज उज्जैन, देवास, इंदौर के 250 से अधिक सदस्यों ने हस्ताक्षरयुक्त ज्ञापन केंद्रीय मंत्री नितीन गड़करी को ज्ञापन सौंपा। श्री सदुरू गजानन महाराज मंदिर इंदौर के अध्यक्ष अरूण खन्ना, श्री गजानन महाराज मंदिर उज्जैन व महाराष्ट्र समाज उज्जैन के मिलिंद पन्हालकर, दिवाकर कोठालकर सहित समाज के सदस्यों ने केंद्रीय मंत्री नितीन गडकरी को इंदौर में इंदौर नागपुर ट्रेन नंबर 12913-12914 को भुसावल तक बढ़ाने हेतु निवेदन पत्र सौंपा। जिससे इंदौर, उज्जैन, भोपाल के भक्तों को श्री सदुरू गजानन महाराज मंदिर जाने आने हेतु सप्ताह में एक दिन सीधी रेल सेवा उपलब्ध हो सके।

राघवेंद्र तिवारी ने बढ़ाया संस्कृत महाविद्यालय का मान

मेरा युवा भारत एवं डिजिटल साक्षरता के लिए युवा'' थीम पर अमरकंटक में आयोजित शिविर में की सहभागिता

उज्जैन। राष्ट्रीय सेवा योजना के राज्य स्तरीय शिविर के आयोजन में सहभागिता करके लौटे शासकीय संस्कृत महाविद्यालय के शास्त्री तृतीय वर्ष छात्र राघवेंद्र तिवारी का सम्मान एवं अनुभव कथन समारोह का आयोजन किया गया।

महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. सीमा शर्मा ने बताया कि शिविर मेरा युवा भारत एवं डिजिटल साक्षरता के लिए युवा थीम पर अमरकंटक जिला - अनूपपुर में आयोजित किया गया था। विक्रम विश्वविद्यालय की टीम में महाविद्यालय के शास्त्री तृतीय वर्ष छात्र रासेयो स्वयंसेवक राघवेंद्र तिवारी ने सक्रिय सहभागिता की। उन्होंने विभिन्न गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर महाविद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के समन्वयक एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ. श्रेयस कोरान्ने जानकारी देते हुए कहा कि शिविर के माध्यम से स्वयंसेवकों ने सेवाए समर्पण और अनुशासन के गुण सीखने के साथ-साथ अपनी योग्यताओं एवं क्षमताओं में भी वृद्धि की। इस अवसर पर महाविद्यालय के आचार्य, रासेयो स्वयंसेवक एवं समस्त स्टाफ उपस्थित रहे।

लक्ष्य, अनुशासन, हिम्मत खिलाड़ियों के कवच होते हैं

उज्जैन। खिलाड़ी भारत के आन, बान, शान के मुकुट है... लक्ष्य, अनुशासन, हिम्मत खिलाड़ियों के कवच होते हैं। विश्व में स्पोर्ट्स स्टार से बढ़कर कोई स्टार नहीं होता।

उक्त उदगार मध्य प्रदेश कुश्ती संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष नारायण यादव ने स्वस्थ संसार व्यायाम केंद्र पर आयोजित खेल प्रतिभा सम्मान अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता मध्य प्रदेश रग्बी संगठन के अध्यक्ष राजेश सिंह कुशवाह ने की।

विशेष अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक एवं विभिन्न प्रांतों के प्रभारी अशोक यादव थे। अध्यक्षीय उद्बोधन में राजेश सिंह कुशवाह ने कहा कि आगामी समय में उज्जैन के विभिन्न खेलों के खिलाड़ियों को खेल सुविधाओं का लाभ प्राप्त होगा एवं उज्जैन से विभिन्न खेलों की खेल प्रतिभाएं राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उज्जैन को गौरवान्वित करेगी। विशेष अतिथि अशोक यादव ने कहा कि भारतीय खेलों के युवाओं ने खेलो इंडिया के माध्यम से प्रतिभाओं को तराशा एवं राष्ट्रीय स्तर पर तिरंगे मान में अभिवृद्धि की है। स्वागत उद्बोधन चेयर मेन प्रेम सिंह यादव ने दिया।

सूत्रधार शैलेंद्र व्यास स्वामी मुस्कुराके थे। इस अवसर पर पावरलिफ्टिंग के राष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता मयंक जोशी, बॉडी बिल्डिंग की राष्ट्रीय स्पर्धा में गोल्ड मेडल प्राप्त करने वाले प्रारब्ध जैन, श्याम परमार, बास्केटबॉल खेल एक क्लास राष्ट्रीय निर्णायक एवं अंतरराष्ट्रीय टेबल ऑफिशल बनने पर रितु शर्मा, मनीषा पवार, प्रगति जैन का विशिष्ट अभिनंदन किया गया। पूर्व मिस्टर इंडिया सिविल सर्विसेज, राज्य शरीर सौष्ठव संस्था मध्य प्रदेश के अध्यक्ष जितेंद्र सिंह कुशवाह, इंजीनियर गजेंद्र मेहता, पावरलिफ्टिंग संगठन के अध्यक्ष जय सिंह यादव, सचिव कमल नंदवाना, जिमनास्टिक के अंतरराष्ट्रीय निर्णायक आर एल वर्मा, टेबल टेनिस एसोसिएशन के राष्ट्रीय निर्णायक राजेश शर्मा, एसपी झा, सतीश मेहता ने विभिन्न खेल संगठनों की ओर से मध्य प्रदेश कुश्ती संगठन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनोनीत होने पर नारायण यादव एवं राजेश कुशवाह के मध्य प्रदेश रग्बी संगठन के अध्यक्ष बनने पर शाल, श्रीफल, मालवी पगड़ी एवं मोमेंटो प्रदान कर विशिष्ट अभिनंदन किया। इस अवसर पर देवेंद्र सिंह कुशवाह, अमित कनौजिया, विकास मालवीय, लखन पोरवाल, आनंद सोलंकी, नरेंद्र मालवीय, अभिषेक राठौर, अंशुल अनिल बारोड, अनिल चावंड, रवि मालवीय, अजय जाधव विशेष रूप से उपस्थित रहे।

भगवान श्री आदिनाथ जन्म कल्याणक एवं दीक्षा दिवस महामहोत्सव पर निकलेगी मंगल रथ यात्रा

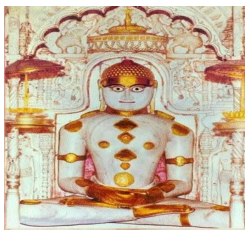

उज्जैन। अखिल भारतीय श्री जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक महासंघ उज्जैन इकाई द्वारा भगवान श्री आदिनाथ जन्म कल्याणक एवं दीक्षा दिवस महामहोत्सव पर विशाल मंगल रथ यात्रा चैत्र सुदी अष्टमी, शनिवार 22 मार्च प्रातः 8.30 बजे निकाली जाएगी।

रितेश खाबिया, प्रकाश गांधी, राहुल सराफ ने बताया कि साध्वी श्री अमितगुणा श्रीजी, अमीझरा श्रीजी, साध्वी अर्चना श्रीजी आदि ठाणा की पावन निश्रा में रथयात्रा श्री विजय हीर सूरिश्वरजी बड़ा उपाश्रय खाराकुआ से प्रारंभ होकर प्रमुख मार्गो से होते हुए श्री सिद्ध चक्र आराधना केसरियानाथ तीर्थ खाराकुआं पेढी पहुंचकर धर्मसभा में परिवर्तित होगी।

स्वामी वात्सल्य सुबह 11.30 बजे से रंगमहल धर्मशाला, नईपेठ पर होगा। विनोद बरबोटा, अजेश कोठारी, नरेंद्र बाफना, अभय जैन भैया, प्रसन्ना जैन, प्रकाश गांधी, रितेश खाबिया, अनिल कंकरेचा, राजेश पटनी, हेमंत पावेचा, अश्विन मेहता, राहुल सराफ, नितेश नहटा।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com